Discover your divinity with us
A/C Showroom
ज्ञान गंगा ॐ मूर्ति माला केन्द्र
उजाला भवन स्टेशन रोड, दुर्ग
0788-4030383, 3293199
भगवान के वस्त्र, श्रृंगार मूर्तियां एवं समस्त पूजन सामग्री संगमरमर व पीतल की मूर्तियां राशि रत्न एवं उपरत्न उपलब्ध

राष्ट्र एवं राज्य के प्रगति पथ पर...

समय दर्शन

रायपुर एवं दुर्ग से प्रकाशित

ESTD : Since 2011

संस्थापक : स्व. श्रीमती निलिमा खड़तकर

निष्पक्ष निर्भीक खबरों के साथ

श्री दुर्ग शहर में सुप्रसिद्ध ज्योतिषाचार्य
माँ दुर्गा उपासक मां बगुलामुखी, माँ कामख्या, माँ भद्रकाली, माँ शतचंडी की असीम कृपा साधना द्वारा समस्त समस्याओं का मार्ग दर्शन हेतु
पं. एम.पी. शर्मा/
मो. 8109922001
फीस 251/- मात्र
पताः- श्री दुर्गा ज्योतिष कार्यालय सिकोला भाठा, सब्जी मार्केट के सामने, धमधा नाका, दुर्ग

वर्ष 07, अंक 142 पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रूपये रायपुर, बुधवार 23 जुलाई 2025 www.samaydarshan.in

संक्षिप्त समाचार

जयपुर के जामडोली में आपसी रंजिश के चलते युवक की हत्या, सोशल मीडिया पर लिखा-बदला पूरा हुआ

जयपुर। जामडोली थाना क्षेत्र की कच्ची बस्ती में बीती रात एक युवक की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान 22 वर्षीय विपिन नायक उर्फ विक्की के रूप में हुई है। आरोप है कि हत्या के बाद आरोपी अनस खान उर्फ शूटर ने सोशल मीडिया पर वीडियो पोस्ट कर लिखा ङ्क आज बदला पूरा हुआ, जिसे कुछ ही देर बाद डिलीट कर दिया गया। एडिशनल पुलिस कमिश्नर कुंवर राष्ट्रदीप के मुताबिक आरोपी अनस अपने 7 साथियों के साथ बाइक पर सवार होकर मौके पर पहुंचा था। विपिन को घर के सामने पाकर उसने आवाज देकर अंधेरे में बुलाया और सीने पर ताबड़तोड़ 14 वार किए। हमले में गंभीर रूप से घायल विपिन को स्रूब ट्रॉमा सेंटर ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। हत्या की जानकारी मिलते ही परिजनों और मोहल्लेवासियों में आक्रोश फैल गया।

पप्पू यादव को नहीं लगता एनडीए नीतीश कुमार के नेतृत्व में लड़ेगी चुनाव

नई दिल्ली। पूर्णिया से सांसद राजेश रंजन यादव उर्फ पप्पू यादव ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को लेकर बड़ा दावा किया है। उनके अनुसार, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीतीश कुमार के नेतृत्व में एनडीए के तहत आगामी बिहार विधानसभा चुनाव नहीं लड़ेगी। सांसद पप्पू यादव ने राष्ट्रीय लोक मोर्चा के प्रमुख उपेंद्र कुशवाहा की ओर से मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को दी गई सलाह पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि बिहार में हो रही घटनाएं और बिगड़ती कानून व्यवस्था नीतीश कुमार की विश्वसनीयता और व्यक्तित्व को नुकसान पहुंचाने की भाजपा की निरंतर कोशिश का हिस्सा हैं। एक तरफ उपेंद्र कुशवाहा और दूसरी तरफ चिराग पासवान, दोनों ओर से सवाल किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा, गठबंधन धर्म के नाम पर वे उसी नेतृत्व पर हमला करते रहते हैं जिसके नेतृत्व में वे चुनाव लड़ने की योजना बनाते हैं। मेरे विचार से, यह स्पष्ट रूप से दर्शाता है कि वे नीतीश कुमार के नेतृत्व में चुनाव नहीं लड़ेंगे।

कांग्रेस का प्रदेशव्यापी प्रदर्शन

चैतन्य बघेल की गिरफ्तारी के खिलाफ आर्थिक नाकेबंदी

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ में पूर्व सीएम भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य बघेल को प्रवर्तन निदेशायल की टीम ने शराब घोटाले के आरोप में गिरफ्तार किया है। वहीं भूपेश बघेल ने आरोप लगाया है कि सत्ता पक्ष केंद्रीय जांच एजेंसियों का डर दिखाकर लगातार विपक्ष को जबरन जेल भेजने का काम कर रही है। चैतन्य बघेल की गिरफ्तारी के विरोध में आज कांग्रेस पूरे प्रदेश में आर्थिक नाकेबंदी किया इसी कड़ी में कोरबा में चैतन्य बघेल की गिरफ्तारी के विरोध में अंबिकापुर कटघोरा नेशनल हाईवे 130 पर जेजरा बायपास चौक पर कांग्रेसी एकत्रित हुए और ईडी के खिलाफ नारेबाजी करते हुए चक्का जाम कर दिया। बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया है ताकि किसी तरह की उपद्रव की स्थिति पर नियंत्रण रखा जा सके। पूर्व मंत्री जय सिंह अग्रवाल, रामपुर विधायक फूल सिंह राठिया, कटघोरा के पूर्व विधायक पुरुषोत्तम कंवर और अन्य वरिष्ठ नेता प्रदर्शन में मौजूद हैं। कांग्रेस पार्टी का आरोप है कि ईडी की कार्रवाई राजनीतिक उद्देश्यों के लिए की जा रही है और विपक्ष की आवाज को दबाने की कोशिश की जा रही है। रामपुर क्षेत्र की विधायक फूल सिंह राठिया ने बताया कि ईडी के विरोध में आज प्रदर्शन किया जा रहा है। कोरबा जिले में ही नहीं बल्कि पूरे छत्तीसगढ़ में किया जा रहा है। दुर्ग में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य बघेल को गिरफ्तार करने और तमनार में पेड़ो की कटाई के मुद्दे को लेकर कांग्रेस

पार्टी के द्वारा दुर्ग में भी आर्थिक नाकेबंदी की गई। और शहर के कई प्रमुख मार्गो पर चक्काजाम कर अपना विरोध प्रदर्शन किया। विरोध प्रदर्शन के प्रभारी गिरीश देवांगन के नेतृत्व में दुर्ग के मिनी माता चौक पर आयोजित इस चक्काजाम में पूर्व गृह मंत्री ताम्रध्वज साहू,पूर्व विधायक अरुण वोरा,राजेंद्र साहू सहित सैकड़ों की संख्या में कांग्रेसी कार्यकर्ताओं ने जमकर विरोध प्रदर्शन किया। मिनी माता चौक से दुर्ग जिला बालोद और राजनांदगांव जिले से जुड़ता है। जिसके कारण बड़ी संख्या में वाहनों की आवाजाही इस चौक पर बनी रहती है। लेकिन आज करीब दो घंटे तक किए गए इस चक्काजाम के कारण लोगो को आवाजाही करने में काफी परेशानियों से होकर गुजरना पड़ा। दुर्ग जिले में छह स्थानों पर कांग्रेस पार्टी ने चक्काजाम प्रदर्शन देखने को मिला। दुर्ग पुलगांव मिनी माता चौक,भिलाई 3 सिरसा गेट, सेलुद चौक,नेहरू नगर,जामुल बोगदा पुलिया और दुर्ग बेमेतरा मार्ग पर धमधा भी आर्थिक नाकेबंदी की गई जिसके कारण नेशनल हाइवे और स्टेट हाइवे पर घंटो तक लंबा जाम लगा रहा। पूर्व गृह मंत्री ताम्रध्वज साहू पूर्व विधायक अरुण वोरा ने इस प्रदर्शन को लेकर कहा कि केंद्र सरकार के निर्देश पर राज्य की खनिज संपदा को अडानी समूह को हाथो सौंपा जा रहा है।

भूपेश बघेल बोले- सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी बीजेपी के गाल पर तमाचा

छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य बघेल को ईडी की ओर से गिरफ्तार करने के विरोध में छत्तीसगढ़ कांग्रेस 22 जुलाई को पूरे प्रदेश में आर्थिक नाकेबंदी की। राज्य के सभी नेशनल हाइवे को जाम कर केंद्र और बीजेपी की राज्य सरकार के खिलाफविरोध जताया। केंद्र सरकार, केंद्रीय जांच एजेंसियों, ईडी और उद्योगपति अडानी के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। पूरे प्रदेश में आर्थिक नाकेबंदी करते हुए चक्काजाम किया। इस दौरान रायपुर में भूपेश बघेल ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी बीजेपी की केंद्र सरकार, राज्य सरकार और ईडी के गालों पर तमाचा है।

इस्तीफे की मांग खारिज करता हूं: माणिक रावे

मुझे नहीं पता ऑनलाइन रमी गेम' कैसे खेलते हैं-कोकाटे

नासिक/ एजेंसी

महाराष्ट्र के कृषि मंत्री माणिकराव कोकाटे ने मंगलवार को दावा किया कि उन्होंने अपने मोबाइल फोन पर कभी ऑनलाइन 'रमी गेम' नहीं खेला जैसा कि विपक्ष आरोप लगा रहा है। उन्होंने पद छोड़ने की मांग को खारिज करते हुए कहा कि एक मामूली मुद्दे को बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया गया। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के नेता ने उन नेताओं के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की चेतावनी दी जिन्होंने एक कथित वीडियो शेयर करके उन्हें ''बदनाम'' करने का प्रयास किया। राकांपा (शरदचंद्र पवार) विधायक रोहित पवार ने रविवार को अपने 'एक्स' हैंडल पर एक वीडियो क्लिप पोस्ट किया जिसमें कोकाटे विधान परिषद के मानसून सत्र के दौरान अपने मोबाइल फोन पर ऑनलाइन 'रमी' खेलते नजर आ रहे हैं। इस वीडियो के सामने आते ही राजनीतिक बवाल मच गया। राकांपा (एसपी) विधायक जितेंद्र आव्हाड ने सोमवार को दो वीडियो पोस्ट किए जिनमें दावा किया गया कि कोकाटे राज्य विधान परिषद के हालिया मानसून सत्र के दौरान अपने मोबाइल फोन पर 'जंगली रमी' ऑनलाइन गेम खेलते नजर आ रहे थे।

कोकाटे के इस्तीफे की बढ़ती मांग के बीच राकांपा की महाराष्ट्र इकाई के अध्यक्ष सुनील तटकरे ने सोमवार को कहा कि पार्टी प्रमुख और उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने इस वीडियो को गंभीरता से लिया और मंत्री से बात करेंगे।

इंसानियत शर्मसार : महिला को डायन बताकर निर्वस्त्र कर पीटा, सिर मुंडवाया; शरीर पर ब्लेड से किए वार

हजारीबाग। झारखंड के हजारीबाग जिले में डायन बताकर एक विधवा महिला के साथ दरिंदगी की शर्मनाक घटना सामने आई है। आरोपियों ने महिला के घर में घुसकर उसे निर्वस्त्र कर पीटा, उसके शरीर के कई हिस्सों को ब्लेड से काटकर खून निकाला और तांत्रिक अनुष्ठान किया। इसके बाद उसे जबरन बिहार के गया ले जाकर उसका सिर मुंडवा दिया गया। डायन मुक्ति के नाम पर महिला और उसके बेटे से 30 हजार रुपये भी वसूले गए। घटना हजारीबाग के बरही थाना क्षेत्र के जरहिया गांव की है। पीड़िता ने रविवार रात बरही थाना पहुंचकर आपबीती सुनाई, जिसके बाद पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सुप्रीम कोर्ट का निर्देश

कांवड़ मार्ग पर दुकानों को लगाना होगा क्यूआर कोड

नई दिल्ली/ एजेंसी

भोजनालयों के लिए क्यूआर कोड मामले पर सुप्रीम कोर्ट से उत्तर प्रदेश सरकार को बड़ी राहत मिली है। कोर्ट ने क्यूआर कोड संबंधी आदेश पर रोक लगाने से इनकार कर दिया। सुप्रीम कोर्ट ने कांवड़ यात्रा मार्ग के सभी होटल मालिकों को लाइसेंस और पंजीकरण प्रमाण-पत्र प्रदर्शित करने का निर्देश दिया। सुप्रीम कोर्ट ने क्यू कोड अनिवार्य करने के मुद्दे पर कोई निर्देश नहीं दिया। अदालत ने कहा कि अभी क्यूआर कोड के मुद्दे पर विचार नहीं किया गया है और मुख्य याचिका पर सुनवाई के दौरान इस पर विचार किया जा सकता है। मुख्य याचिका अभी अदालत में लंबित है। सर्वोच्च न्यायालय उत्तर प्रदेश सरकार के उस निर्देश को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई कर रहा था, जिसमें उत्तर प्रदेश सरकार के उस आदेश को चुनौती दी गई, जिसमें सरकार ने कांवड़ मार्ग पर सभी खाने-पीने की दुकानों और भोजनालयों पर क्यूआर कोड स्टीकर प्रदर्शित करने और साथ ही दुकानों के बाहर बैनर लगाकर दुकान मालिक के नाम और पहचान को प्रदर्शित करने को कहा था। इन याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए जस्टिस एमएम सुंदरेश और जस्टिस एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने उत्तर प्रदेश सरकार और उत्तराखंड सरकार से जवाब मांगा था।

ईसाई प्रचारक केए पॉल का दावा

निमिषा प्रिया को.. रिहा किया जाएगा

सना। यमन की जेल में बंद भारतीय नर्ष निमिषा प्रिया को रिहा किया जाएगा। ईसाई धर्म के प्रचारक केए पॉल ने ये दावा किया है। साथ ही केए पॉल ने पीएम मोदी को धन्यवाद भी कहा है। ईसाई धर्म के प्रचारक और ग्लोबल पीस इनीशिएटिव के संस्थापक डॉ. केए पॉल ने मंगलवार रात को एक वीडियो संदेश में दावा किया कि यमन की राजधानी सना की जेल में बंद भारतीय नर्स निमिषा प्रिया की मौत की सजा रद्द कर दी गई है। डॉ. केए पॉल ने वीडियो संदेश में यमन के नेताओं को धन्यवाद दिया और

उनकी कोशिशों की सराहना की। डॉ. केए पॉल ने कहा कि 'यमन के नेताओं ने बीते 10 दिनों तक दिन रात काम किया। डॉ. पॉल ने कहा कि मैं उन सभी नेताओं को धन्यवाद देना चाहता हूं।

पिटबुल से बच्चे को कटवाता रहा मालिक, 'अंकल बचा लो' की चीखें सुन हंसता रहा शख्स

मुंबई । इंसानियत को शर्मसार करने वाला एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें एक शख्स अपने पिटबुल कुत्ते से एक मासूम बच्चे को कटवाता हुआ दिख रहा है। बच्चा दर्द से चीखता रहा, अंकल बचा लो, लेकिन आरोपी मालिक उसकी मदद करने के बजाय हैवानों की तरह हंसता रहा। दिल दहला देने वाली यह घटना मुंबई के मानखुर्द इलाके की है। पुलिस ने वीडियो का संज्ञान लेते हुए आरोपी मालिक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। वायरल वीडियो में देखा जा सकता है।

घर-घर जाकर फॉर्म भरवा रहे हैं बीएलओ

आधार,मतदाता और राशन कार्ड केवल पहचान के लिए मान्य,आयोग ने बिहार में एसआईआर को सही ठहराया...

नई दिल्ली/ एजेंसी

बिहार में इस साल के अंत तक विधानसभा के चुनाव होने है। इसके लिए राज्यभर की राजनीति में गर्माहट तेज है। हालांकि गर्माहट का एक और बड़ा कारण चुनाव आयोग की तरफ से मतदाता सूची की विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर-2025) के फैसले को लेकर भी है। जहां विपक्षी दल लगातार से चुनाव आयोग के इस फैसले का विरोध कर रहे हैं। ऐसे में मंगलवार को चुनाव आयोग ने बिहार में चल रहे एआईआर-2025 को लेकर उठ रहे सवालों पर सुप्रीम कोर्ट में हलफ्नामा दायर कर सफाई दी है। अपने हलफ्नामें में चुनाव आयोग ने कहा कि यह प्रक्रिया चुनाव की पवित्रता बनाए रखने के लिए जरूरी है, क्योंकि इससे अयोग्य व्यक्तियों को मतदाता सूची से हटाया जाता है। आयोग ने बताया कि एसआईआर-2025 के दौरान आधार कार्ड, वोटर कार्ड और राशन कार्ड जैसी पहचान से जुड़ी जानकारी का इस्तेमाल केवल पहचान स्थापित करने के लिए किया जा रहा है, नागरिकता या निवास प्रमाण के रूप में नहीं। आयोग ने साफ किया कि आधार नंबर देना वैकल्पिक है और यह केवल पहचान के लिए लिया जा रहा है ना कि नागरिकता साबित करने के लिए। आधार अधिनियम, 2016 की धारा 9 के अनुसार, आधार नागरिकता का प्रमाण नहीं है। इसके साथ ही आयोग ने इस बात पर भी जोर दिया कि भारत का कोई भी नागरिक तभी वोट डाल सकता है जब वह 18 साल का हो और सामान्य रूप से उस क्षेत्र का निवासी हो। जो व्यक्ति इन योग्यताओं को पूरा नहीं करता, वह वोट का अधिकार नहीं रखता, इसलिए वह संविधान के अनुच्छेद 19 (स्वतंत्रता का अधिकार) और 21 (जीवन का अधिकार) के तहत कोई दावा नहीं कर सकता।

हंगामे की भेंट चढ़ी लोकसभा-राज्यसभा की कार्यवाही

विपक्ष कर रहा गुंडागर्दी, भारत कोई धर्मशाला नहीं एसआईआर के मुद्दे पर को लेकर बीजेपी हमलावर

नई दिल्ली/ एजेंसी

संसद के मानसून सत्र के दूसरे दिन लोकसभा और राज्यसभा दोनों में विपक्षी दलों के जोरदार हंगामे के चलते मंगलवार को पूरे दिन के लिए कार्यवाही स्थगित कर दी गई। विपक्ष की मुख्य मांग थी बिहार में चल रहे मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) पर चर्चा कराई जाए और इसे वापस लिया जाए। बता दें कि 'ऑपरेशन सिंदूर' पर चर्चा की मांग को लेकर विपक्ष के हंगामे के बाद बार-बार स्थगित होने के कारण सोमवार को सत्र के पहले दिन सदन की कार्यवाही नहीं चल सकी थी। मंगलवार के दिन लोकसभा की कार्यवाही जैसे ही सुबह 11 बजे शुरू हुई, कांग्रेस समेत विपक्षी सांसदों ने जोरदार नारेबाजी शुरू कर दी। वे बिहार में एसआईआर प्रक्रिया को लेकर चर्चा की मांग कर रहे थे और 'ऑपरेशन सिंदूर' पर भी बहस चाहते थे। इस दौरान कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने विपक्ष से अपील की कि वे अपनी सीटों पर लौटें ताकि किसानों से

जुड़े सवालों पर चर्चा की जा सके। स्पीकर ओम बिरला ने भी विरोध कर रहे सांसदों से अनुरोध किया कि वे नारेबाजी और तख्तियां दिखाना बंद करें क्योंकि इससे सदन की गरिमा को ठेस पहुंचती है। लेकिन हंगामा जारी रहने पर सदन को दोपहर 12 बजे तक के लिए स्थगित कर दिया गया। दोपहर 12 बजे जब सदन फिर से शुरू हुआ तो स्थिति वैसी ही रही। इस बार बीजेपी सांसद जगदंबिका पाल पीठासीन अधिकारी के रूप में थे। उन्होंने विपक्ष से अपील की कि वे अपने मुद्दे लिखित रूप में बिजनेस एडवाइजरी कमेटी में रखें। लेकिन हंगामा बढ़ता गया और कार्यवाही दोपहर दो बजे तक फिर स्थगित करनी पड़ी। जब दोपहर दो बजे सदन दोबारा चला, तो दिलीप सैकिया पीठासीन अधिकारी थे। उन्होंने भी विपक्ष से शांति बनाए रखने की अपील की, लेकिन विपक्षी सांसद वेल में पहुंच गए और नारेबाजी जारी रही। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने विपक्ष के रवैये की निंदा की। उन्होंने कहा, 'एक ओर वे बहस की मांग कर रहे हैं और दूसरी ओर खुद ही बहस नहीं होने दे रहे हैं। यह दोहरा मापदंड है।' उन्होंने कहा कि सोमवार को बिजनेस एडवाइजरी कमेटी की बैठक में तय हुआ था कि पहले 'ऑपरेशन सिंदूर' पर चर्चा होगी।

पवार ने बांधे फडणवीस के तारीफों के पुल

इतनी मेहनत करतें है पर थकते क्यों नहीं ?

नई दिल्ली। फ्डणवीस के सार्वजनिक जीवन और उपलब्धियों को सम्मानित करने के लिए महाराष्ट्र नायक नामक एक कॉफ़ी टेबल बुक का विमोचन किया गया। पवार ने इस पुस्तक में एक लेख भी लिखा है, जिसमें उन्होंने फ्डणवीस की अथक कार्यशैली और तेज़-तर्रार कार्यप्रणाली की प्रशंसा की है। अपने लेख में पवार ने लिखा कि देवेंद्र जिस गति से काम करते हैं, वह अद्भुत है... उनके समर्पण और ऊर्जा को देखकर, मैं अक्सर सोचता हूँ - वे कभी थकते कैसे नहीं? राजनीतिक विचारधारा से ऊपर उठकर, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) प्रमुख शरद पवार ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता और महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फ्डणवीस के जन्मदिन पर उनकी सराहना की। गौरतलब है कि फ्डणवीस 22 जुलाई, 2025 को 55 वर्ष के हो जाएँगे।

संक्षिप्त समाचार

वरिष्ठता सूची की त्रुटियों को लेकर जागरूक शिक्षक संघ ने बीईओ से की मुलाकात

छुरिया। छत्तीसगढ़ जागरूक शिक्षक संघ (पंजीयन क्रमांक 122202595034) की स्थानीय ब्लॉक इकाई ने अध्यक्ष अमरदास बंजारे के नेतृत्व में विकासखंड शिक्षा अधिकारी प्रशांत चिरवर्तकर से मुलाकात कर वरिष्ठता सूची में सुधार सहित कई मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपा। शिक्षक संघ के ब्लॉक संरक्षक एवं प्रदेश उपाध्यक्ष बीरेंद्र साहू और प्रदेश सचिव राजेंद्र लाडेकर ने बताया कि जिले एवं विकासखंड में हाल ही में सहायक शिक्षकों की वरिष्ठता सूची जारी की गई है, जिसमें कई त्रुटियां सामने आई हैं। कुछ शिक्षकों की नियुक्ति तिथि बाद की होने के बावजूद उन्हें सूची में ऊपर स्थान दिया गया है, जबकि वरिष्ठ शिक्षकों को निचले क्रम क्रम में रखा गया है। इसको लेकर शिक्षकों में विभाग के प्रति रोष है। इस मामले को गंभीरता से लेते हुए शिक्षक संघ ने बीईओ से मुलाकात कर सूची में सुधार की मांग की। बीईओ प्रशांत चिरवर्तकर ने नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई कर त्रुटियों को सुधारने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि विकासखंड स्तर पर जो भी संभव होगा, उसमें संगठन को हरसंभव सहयोग किया जाएगा। संगठन ने लंबे समय से लंबित परामर्शदात्री शिक्षा समिति की बैठक शीघ्र आयोजित करने की भी मांग की। उल्लेखनीय है कि बीईओ कार्यालय में काफी समय से उक्त समिति की बैठक आयोजित नहीं हुई है, जिससे स्थानीय समस्याओं पर विचार-विमर्श नहीं हो पा रहा है। बीईओ ने शिक्षकों की मांग पर सहमति जताते हुए कहा कि निकट भविष्य में बैठक का आयोजन किया जाएगा। संघ की ओर से यह भी बताया गया कि वरिष्ठता सूची में व्यापक सुधार की मांग को लेकर शीघ्र ही जिला शिक्षा अधिकारी से मुलाकात कर जिला स्तर पर भी ज्ञापन सौंपा जाएगा। प्रतिनिधि मंडल में ब्लॉक अध्यक्ष अमरदास बंजारे, प्रदेश उपाध्यक्ष बीरेंद्र साहू, प्रदेश सचिव राजेंद्र लाडेकर, प्रदेश अध्यक्ष जाकेश साहू, वरिष्ठ शिक्षक जयनारायण सर्वा, लोकेश साहू, केदारनाथ जोगी, भूपेंद्र मंडलोई, मोहितराम साहू, गजेंद्र देवांगन, झनकराम ठाकुर एवं कौशल भुवार्य सहित बड़ी संख्या में शिक्षक उपस्थित रहे।

पिकनिक मनाने गए युवक की वाटरफॉल में डूबने से मौत

कोरबा। रविवार को जिले के बालको क्षेत्र स्थित केसला घाट वाटरफॉल में पिकनिक मनाने गए तीन दोस्तों में से एक की दर्दनाक मौत हो गई। नदी में नहाते समय तेज बहाव में बहने से युवक की जान चली गई। जानकारी के अनुसार, जफर खान (33 वर्ष), निवासी रामपुर, अपने दो दोस्तों के साथ रविवार को केसला घाट वाटरफॉल में पिकनिक मनाने गया था। पिकनिक के बाद तीनों दोस्त नहाने के लिए नदी में उतरे। इस दौरान जफर पानी के तेज बहाव में बह गया। उसके दोनों दोस्तों ने उसे बचाने की भरपूर कोशिश की, लेकिन जफर गहरे पानी में समा गया। दोनों दोस्तों ने घटना की जानकारी बालको थाने में जाकर लिखित रूप से दी। पुलिस और स्थानीय लोगों की मदद से देर रात तक युवक की तलाश की गई, लेकिन सफलता नहीं मिली। सोमवार सुबह एक बार फिर गोताखोरों की मदद से खोजबीन शुरू की गई।

कांग्रेस का जोरदार प्रदर्शन: बिजली दर वृद्धि और ईडी की कार्रवाई के खिलाफ सड़कों पर उतरे

दंतेवाड़ा (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष दीपक बैज के आह्वान पर दंतेवाड़ा जिला कांग्रेस कमेटी ने भाजपा की साय सरकार द्वारा डेढ़ साल में चौथी बार बिजली दरों में वृद्धि और लगातार अघोषित बिजली कटौती के खिलाफ आक्रोशपूर्ण प्रदर्शन किया। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने राजीव भवन से जिला विद्युत मुख्यालय तक पैदल मार्च कर बिजली विभाग का घेराव किया और महामहिम राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपा। साथ ही, केंद्र व राज्य की भाजपा सरकार पर केंद्रीय जांच एजेंसी प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के दुरुपयोग का आरोप लगाते हुए राष्ट्रीय राजमार्ग पर चक्का जाम कर नारेबाजी की।

जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष अवधेश गौतम ने बताया कि भाजपा सरकार ने बिजली दरों में बेतहाशा वृद्धि कर आम जनता, किसानों और गैर-घरेलू उपभोक्ताओं पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ डाला है। घरेलू उपभोक्ताओं के लिए 10-20 पैसे, गैर-घरेलू के लिए 25 पैसे और किसानों के लिए 50 पैसे प्रति यूनिट की बढ़ोतरी की गई है। उन्होंने इस वृद्धि को तत्काल वापस लेने की मांग की।

पूर्व विधायक रेखचंद जैन ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार अडानी के साथ मिलकर छत्तीसगढ़ के जल, जंगल और जमीन की लूट में शामिल है। उन्होंने कहा कि जब कांग्रेस इसका विरोध करती है, तो ईडी के जरिए नेताओं और कार्यकर्ताओं पर दबाव बनाया जाता है।

पीसीसी सदस्य छविंद्र कर्मा ने कहा कि अडानी के संरक्षण में छत्तीसगढ़ के खनिज और जंगल उजाड़े जा रहे हैं। उन्होंने भाजपा पर जनता से किए वादों को तोड़ने और कर्मचारियों, किसानों, मजदूरों व व्यापारियों को परेशान करने का आरोप लगाया।

प्रदर्शन में पूर्व विधायक देवती महेंद्र गौतम, प्रदेश महामंत्री शकील रिजवी, जिला उपाध्यक्ष वीरेंद्र गुप्ता, जिला पंचायत सदस्य सुलोचना कर्मा, तूलिका कर्मा, प्रवीण राणा, जिला महामंत्री सलीम उस्मानी, ब्लॉक अध्यक्ष राजकुमार जायसवाल, भास्कर राठौर, राजेंद्र कौर, अनिल कर्मा, युवा कांग्रेस अध्यक्ष गणेश दुर्गा, महिला कांग्रेस अध्यक्ष इंदिरा शर्मा, सुमित्रा शोरी, राधा नाग, मनोज साह, बबलू सिद्दकी, राजू रेड्डी, आशिफरजा, दिनेश गुप्ता, अजय उइके, महादेव सहित अन्य पदाधिकारी और कार्यकर्ता शामिल थे।

जिला जेल दंतेवाड़ा का निरीक्षण करने पहुंचे श्री दुदावत, जेल की सुरक्षा व्यवस्था, सहित कैदियों को दी जा रही मूलभूत सुविधाओं जैसे स्वास्थ्य परीक्षण, खानपान, स्वच्छता एवं कौशल विकास के संबंध में दिए गए निर्देश

दंतेवाड़ा (समय दर्शन)। कलेक्टर कुणाल दुदावत द्वारा आज जिला जेल दंतेवाड़ा का निरीक्षण किया गया। इस दौरान पुलिस अधीक्षक गौरव राय, अपर कलेक्टर राजेश पात्रे, जेल अधीक्षक अलोइश कुजुर उपस्थित थे। इस दौरान कलेक्टर ने सर्वप्रथम जिले के सभी बंदी बैरकों का निरीक्षण करते हुए पुख्ता सुरक्षा व्यवस्था, के संबंध में दिशा निर्देश दिए। और जिला जेल में चल रहे निर्माण कार्यों को शीघ्र पूरा करने के लिए पीडब्ल्यूडी अधिकारियों को कहा। इस क्रम में उन्होंने बंदियों से प्रशासन द्वारा दी जा रही सुविधाओं जैसे दैनिक भोजन व्यवस्था, वस्त्रादि, स्वास्थ्य परीक्षण, विधिक सहायता की जानकारी ली। ज्ञात हो कि जिला जेल में वर्तमान में 6 कैदी 182 सामान्य हवालाती एवं 307 नक्सली बंदीकृत है।

इसके साथ ही उन्होंने जेल प्रशासन द्वारा बंदियों के कौशल विकास हेतु चलाये जा रहे कम्प्यूटर प्रशिक्षण स्कूल साक्षरता कक्षा, पुस्तकालय, विडियो कॉन्फ्रेंसिंग कक्ष, एवं स्वास्थ्य परीक्षण कक्ष का अवलोकन करते हुए सभी आवश्यक सुविधाएं सुनिश्चित करने के निर्देश अधिकारियों को दिए। कलेक्टर श्री दुदावत ने कैदियों को मिलने वाले भोजन का अवलोकन करते हुए बंदियों के स्वास्थ्य पर चर्चा कर आवश्यक्तानुसार दवाइयां उपलब्ध कराने को कहा।

पदेन दायित्वों का निर्वहन सर्वोच्च प्राथमिकता से करें : कलेक्टर शर्मा

बाढ़ आपदा की स्थिति में प्रभावितों को राहत पहुंचाने सतर्क रहे

अधिकारी कर्मचारी नियत समय पर कार्यालय में उपस्थिति सुनिश्चित करें

रजत जयंती समारोह के लिए विभाग प्रमुख कार्यक्रम नियोजित करें

बेमेतरा/- कलेक्टर श्री रणबीर शर्मा ने जिला कार्यालय के दिशा सभा कक्ष में जिलाधिकारियों की बैठक लेकर शासन की महत्वपूर्ण योजनाओं और कार्यक्रमों के क्रियान्वयन की समीक्षा की। कलेक्टर ने बैठक में अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि विभागीय अधिकारी सौंपे गए पदेन दायित्वों का निर्वहन सर्वोच्च प्राथमिकता से करें। कलेक्टर ने कहा कि शासकीय अधिकारी कर्मचारी अपने पदेन दायित्वों का निर्वहन करते हुए योजनाओं का सफल क्रियान्वयन करें। उन्होंने संवेदनशीलता और गंभीरता का परिचय देते हुए कार्य करने निर्देशित किया।

कलेक्टर श्री शर्मा ने वर्तमान मानसून को मद्देनजर रखते हुए जिले में वर्षा एवं बाढ़ आपदा की जानकारी ली। कलेक्टर ने राजस्व सहित अन्य विभागीय अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि जिले में कहीं भी बाढ़ की स्थिति निर्मित होने पर तत्काल प्रभावितों को राहत पहुंचा जाये। उन्होंने निर्देशित करते हुए कहा कि चिन्हांकित बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों पर पैनी नजर रखें। बाढ़ आपदा की स्थिति निर्मित होने पर प्रभावितों को राहत पहुंचाने में विलंब ना हो यह सुनिश्चित करें।

कलेक्टर श्री शर्मा ने सभी अधिकारी कर्मचारियों को नियत समय पर कार्यालय में उपस्थित रहकर कार्य संपादित करने निर्देशित किया है। कलेक्टर ने बैठक में कहा कि निर्धारित समय में कार्यालय में उपस्थित नहीं होने वाले अधिकारी कर्मचारियों के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही किया जाएगा। कलेक्टर ने कहा कि अधिकारी कर्मचारी नियत समय का ध्यान रखें और कर्तव्य निर्वहन प्राथमिकता से करें।

कलेक्टर ने छत्तीसगढ़ राज्य गठन की 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में मनाए जा रहे रजत जयंती कार्यक्रम के संबंध में अधिकारियों को दिशा निर्देश दिए। उल्लेखनीय है छत्तीसगढ़ राज्य निर्माण के 25 वर्ष पूर्ण होने पर राज्य शासन द्वारा रजत जयंती आयोजित करने का निर्णय लिया गया है। यह आयोजन 15 अगस्त 2025 से अगले साल 06 फरवरी 2026 तक आयोजित होगा। इसके अंतर्गत विभिन्न विभागों द्वारा विविध कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। यह आयोजन दो चरणों में आयोजित किया जाएगा। प्रथम चरण 15 अगस्त से 31 अक्टूबर 2025 तक एवं दूसरा चरण 1 नवंबर 2025 से 6 फरवरी 2026 तक आयोजित किया जाएगा। रजत जयंती के अवसर पर राज्य शासन के सभी विभागों के द्वारा साप्ताहिक कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इस दौरान विभागीय योजनाओ के अंतर्गत हितग्राहियों को लाभान्वित किया जाएगा। कलेक्टर श्री शर्मा ने सभी अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि रजत जयंती कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए एक निर्धारित कार्यक्रम तैयार कर लेंवे। उन्होंने अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने कहा कि रजत जयंती कार्यक्रम का आयोजन शासन की मंशा अनुरूप होनी चाहिए। इस अवसर पर एडीएम डॉ. अनिल बाजपेई एवं सर्व एसडीएम सहित विभिन्न अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे।

विभागीय योजनाओं से सभी पात्र हितग्राहियों को करें लाभान्वित

कलेक्टर ने की विभागीय कार्यों की समीक्षा

बलौदाबाजार।कलेक्टर दीपक सोनी ने मंगलवार को समय -सीमा की बैठक में विभागीय कार्यो की समीक्षा की। उन्होंने विभागों द्वारा संचालित योजनाओं की पूरी जानकारी के साथ अधिकारी एवं मैदानी अमलों को अपडेट रहने तथा योजनाओं से सभी पात्र हितग्राहियो को लाभान्वित करने के निर्देश दिये।

कलेक्टर श्री सोनी ने कहा कि विभागों में बहुत सी योजनाएं संचालित रहती है लेकिन उसकी पुरी जानकारी नहीं होने के कारण लोगों को उस योजना का फायदा नहीं मिल पाता। यदि कोई योजना अन्य जिले में संचालित हो रही हो तो उसकी जानकारी लेकर अपने जिले में भी प्रारम्भ कराएं। जानकारी के आभव में कोई भी हितग्राही योजना से वंचित न हो। उन्होंने बारिश के मौसम में वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम की समीक्षा करते हुए उद्यान एवं वन विभाग के अधिकारियो को आगामी कुछ दिनों में वन महोत्सव अंतर्गत वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम हेतु आवश्यक तैयारी करने के निर्देश दिये।

कलेक्टर ने जिला स्तरीय स्थानांतरण अंतर्गत स्थानांतरित कर्मचारियों की रिपोर्ट लेने तथा नवीन पदस्थापना स्थल पर कार्यभार ग्रहण नहीं करने वाले अधिकारी -कर्मचारी के विरुद्ध नियमानुसार कार्यवाही करने के निर्देश दिये। उन्होंने जिले के युवाओं को रोजगार दिलाने आगामी अगस्त व सितम्बर माह में रोजगार मेले का आयोजन करने रोजगार अधिकारी को निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि अतिवर्षा से नदी -नालो में जलभराव के कारण पुल-पुलियों से आवागमन बंद होने की स्थिति में प्रभावित स्कूल एवं आंगनवाड़ी केंद्रों का संचालन बंद कराएं। पुल -पुलियों में जल भराव की स्थिति की रिपोर्ट बीईओ से पूर्व में ही लें ताकि सभी सतर्क रहें। कलेक्टर ने खाद बीज़ की समीक्षा करते हुए मांग के अनुसार उर्वरक सम्बधित समिति में शीघ्र उपलब्ध कराने के निर्देश दिये। इस दौरान स्वामित्व योजना, पीएम किसान सम्मान निधि, आधार सिडिंग,आयुष्मान कार्ड, जॉब कार्ड, धरती आबा अभियान, समय -सीमा के तहत दर्ज आवेदनों के निराकरण की स्थिति की विस्तृत समीक्षा की गई ।

बैठक में अपर कलेक्टर सुश्री दीप्ति गोते, मिथलेश डोंडे सहित एसडीएम, जनपद सीईओ एवं विभिन्न विभागों के जिला अधिकारी

एसबीआई कार्ड और फोनपे ने की रणनीतिक साझेदारी; लॉंच किया को-ब्रांडेड फोनपे एसबीआई कार्ड

नई दिल्ली: भारत के सबसे बड़ी प्योर-प्ले क्रेडिट कार्ड जारीकर्ता एसबीआई कार्ड ने आज फोनपे के साथ मिलकर फोनपे एसबीआई कार्ड लॉन्च करने की घोषणा की। इस नए को-ब्रांडेड क्रेडिट कार्ड का लक्ष्य रोज़मर्रा के खर्चों पर एक फायदेमंद अनुभव प्रदान करना है, जिसे पूरे भारत में ग्राहकों की बढ़ती वित्तीय ज़रूरतों को पूरा करने के लिए तैयार किया गया है। यह क्रेडिट कार्ड दो वेरिएंट में आता है: फोनपे एसबीआई कार्ड पर्पल और फोनपे एसबीआई कार्ड सेलेक्ट ब्लैक, जो ग्राहकों की विभिन्न प्राथमिकताओं और लाइफस्टाइल खर्चों की ज़रूरतों को पूरा करते हैं। इसके अतिरिक्त, इस कॉन्टैक्टलेस क्रेडिट कार्ड के दोनों वेरिएंट रूपे और वीजा पेमेंट नेटवर्क पर उपलब्ध हैं, जिससे उपभोक्ताओं को उनकी ज़रूरतों के हिसाब से सबसे अच्छा नेटवर्क चुनने का विकल्प मिलता है। रूपे कार्ड को यूपीआई से भी जोड़ा जा सकता है और देश भर में लाखों यूपीआई मर्चेंट्स के साथ लेनदेन के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है। वीजा वेरिएंट को फोनपे पर टोकनाइज किया जा सकता है और कई ऑनलाइन मर्चेंट्स के साथ सुरक्षित रूप से इस्तेमाल किया जा सकता है।

नए फोनपे SBI कार्ड के साथ, ग्राहक विभिन्न रोज़मर्रा के लेनदेन पर रिवॉर्ड पॉइंट अर्जित कर सकते हैं, जिसमें किराना, बिल भुगतान, यात्रा बुकिंग, यूटिलिटी भुगतान, बीमा प्रीमियम भुगतान, और ऑनलाइन व ऑफ्लाइन शॉपिंग प्लेटफॉर्म पर बहुत कुछ शामिल है।

न्यायालय तहसीलदार तहसील पिपरिया जिला कबीरधाम (छ.ग.)

ईकोर्ट क... ब/121 वर्ष 2024-25
ग्राम- पिपरिया प.ह.नं. 06

// ईश्तहार //

एतद द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि- आवेदक आनंद प्रकाश दानी पिता रामानुज दानी निवासी ग्राम पिपरिया तहसील पिपरिया जिला कबीरधाम द्वारा अपने पुत्र डगर दानी के जन्म प्रमाण पत्र की शासकीय कार्य में आवश्यकता पड़ने से जारी कराने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है। आवेदक द्वारा प्रस्तुत दस्तावेज पंचनामा, शपथ पत्र, अनुसार आवेदक के पुत्र डगर दानी की जन्म तिथि 13/06/1991 को ग्राम पिपरिया में होना लेख किया गया है।

अतः उक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति / संस्था को कोई दावा/आपत्ति पेश करना हो तो वे स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर इस न्यायालय में नियत समय व तिथि तक दावा-आपत्ति पेश कर सकते हैं। नियत तिथि के पश्चात् प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार आज दिनांक 21/07/2025 को मेरे हस्ताक्षर व न्यायालय के पदमुद्रा से जारी किया गया।
पेशी दिनांक-04/08/2025

मुहर — **तहसीलदार पिपरिया**

न्यायालय तहसीलदार तहसील पिपरिया जिला कबीरधाम (छ.ग.)

ईकोर्ट क... ब/121 वर्ष 2024-25
ग्राम मानिकचौरी प.ह.नं. 05

// ईश्तहार //

एतद द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक शिवसिंह पिता लैनू जाति सतनामी साकिन मानिकचौरी तहसील पिपरिया जिला कबीरधाम द्वारा स्वयं के जन्म प्रमाण पत्र शिक्षा कार्य हेतु आवश्यकता पड़ने से जारी कराने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है। आवेदक द्वारा प्रस्तुत दस्तावेज पंचनामा, शपथ पत्र आधार कार्ड, शिक्षा प्रमाण पत्र अनुसार आवेदक के स्वयं के जन्म तिथि 01/03/1951 को ग्राम मानिकचौरी में होना लेख किया गया है।

अतः उक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति / संस्था को कोई दावा/आपत्ति पेश करना हो तो वे स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर इस न्यायालय में नियत समय व तिथि तक दावा-आपत्ति पेश कर सकते हैं। नियत तिथि के पश्चात् प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार आज दिनांक 11/07/2025 को मेरे हस्ताक्षर व न्यायालय के पदमुद्रा से जारी किया गया।
पेशी दिनांक-25/07/202

मुहर — **तहसीलदार पिपरिया**

न्यायालय तहसीलदार तहसील पिपरिया जिला कबीरधाम (छ.ग.)

ईकोर्ट क... ब/121 वर्ष 2024-25
ग्राम छांटा प.ह.नं. 09

// ईश्तहार //

एतद द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि- आवेदक मनोहर चन्द्रवंशी पिता मानु चन्द्रवंशी निवासी ग्राम छांटा तहसील पिपरिया जिला कबीरधाम द्वारा अपनी पत्नि कमला चन्द्रवंशी के मृत्यु प्रमाण पत्र की शासकीय कार्य में आवश्यकता पड़ने से जारी कराने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है। आवेदक द्वारा प्रस्तुत दस्तावेज पंचनामा, शपथ पत्र, अनुसार आवेदक के पत्नि कमला चन्द्रवंशी की मृत्यु तिथि 04/11/2020 को ग्राम छांटा में होना लेख किया गया है।

अतः उक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति/संस्था को कोई दावा/आपत्ति पेश करना हो तो वे स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर इस न्यायालय में नियत समय व तिथि तक दावा-आपत्ति पेश कर सकते हैं। नियत तिथि के पश्चात् प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार आज दिनांक 18/07/2025 को मेरे हस्ताक्षर व न्यायालय के पदमुद्रा से जारी किया गया।
पेशी दिनांक-30/07/2025

मुहर — **तहसीलदार पिपरिया**

कार्यालय नगर पालिक निगम, रिसाली (छ.ग.)
ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना

क्रमांक / लो.क.वि./2025/732 — रिसाली दिनाँक 21/07/25

नगर पालिक निगम रिसाली की ओर से निम्नलिखित कार्य हेतु ई-निविदा आमंत्रित की जाती है, जिसका विवरण निम्नानसार है :-

क्र.	कार्य का विवरण	सिस्टम टेंडर क्रं	निविदा राशि	निविदा डाउनलोड करने की अंतिम तिथि
1	वार्ड क्रं. 17 शिवपारा स्टेशन मरोदा में शीतला तालाब से लालता प्रसाद घर तक डामरीकृत मार्ग का संधारण कार्य।	172371	4506163/-	08-08-2025
2	वार्ड क्रं. 17 शिवपारा स्टेशन मरोदा में लालता प्रसाद घर से पम्प हाउस तक डामरीकृत मार्ग का संधारण कार्य।	172363	4212877/-	08-08-2025
3	वार्ड क्रं. 31 शहीद किरण देशमुख हिन्द नगर शिव जी चौक से सुरेन्द्र देवांगन घर से नंद किशोर डहरिया घर से लक्ष्मी नगर चौक तक डामरीकृत मार्ग का संधारण कार्य।	172352	4863661/-	08-08-2025
4	वार्ड क्र. 35 डुण्डेरा में रामकुमार चक्रधारी घर से शिव कली केसरी तक डामरीकृत मार्ग का संधारण कार्य।	172344	2455423/-	08-08-2025
5	वार्ड क्र. 35 डुण्डेरा में दशरथ साहू घर से नरसिंग देवांगन घर तक डामरीकृत मार्ग का संधारण कार्य।	172404	2580372/-	12-08-2025

(नोट :- ई टेण्डर में ऑफलाईन धरोहर राशि एवं शपथ पत्र प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा अन्यथा निविदाकार की निविदा अमान्य किया जावेगा तथा दर को नहीं खोला जावेगा।)

उपरोक्त कार्य की निविदा की सामान्य शर्तें, विस्तृत निविदा विज्ञाप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी http://eproc.cgstate.gov.in से डाउनलोड की जा सकती है।

कार्यपालन अभियंता
नगर पालिक निगम,
रिसाली

खेल युवाओं में साहस, शक्ति और दृढ़ संकल्प का विकास करते हैं : मुख्यमंत्री साय

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय रविवार की देर शाम राजधानी रायपुर स्थित सरदार बलबीर सिंह जुनेजा इंडोर स्टेडियम में आयोजित वाको इंडिया राष्ट्रीय किक बॉक्सिंग चैम्पियनशिप 2025 के समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह में सम्मिलित हुए। मुख्यमंत्री साय ने इस अवसर पर देश के 28 राज्यों से आए लगभग 1200 प्रतिभागियों और 300 कोचों का भगवान श्रीराम की ननिहाल और माता कौशल्या की पावन धरती छत्तीसगढ़ में हार्दिक स्वागत एवं अभिनंदन करते हुए कहा कि यह राज्य का सौभाग्य है कि वाको इंडिया राष्ट्रीय किक बॉक्सिंग फेडरेशन ने इस प्रतिष्ठित आयोजन के लिए छत्तीसगढ़ को चुना। मुख्यमंत्री ने प्रतिभागियों को छत्तीसगढ़ राज्य की विशेषताओं से अवगत कराते हुए बताया कि यह देश के हृदयस्थल पर स्थित एक छोटा, परंतु अत्यंत समृद्ध प्रदेश है,

जिसका 44 प्रतिशत भूभाग सुरम्य वनों से आच्छादित है। यहाँ 5,000 वर्ग किलोमीटर में फैला सघन अबूझमाड़ क्षेत्र है, जहाँ सूर्य की किरणें तक नहीं पहुँचतीं। राज्य में मनोरम जलप्रपात, सुंदर गुफाएँ, समृद्ध खनिज संपदा और सांस्कृतिक विविधता है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह के संकल्प के अनुरूप छत्तीसगढ़ में नक्सलवाद अब अपने अंतिम चरण में है। उन्होंने देशभर से आए खिलाड़ियों को आग्रहपूर्वक छत्तीसगढ़ घूमने का निमंत्रण भी दिया।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि किक बॉक्सिंग जैसे खेल युवाओं में साहस, शक्ति और दृढ़ संकल्प का विकास करते हैं। उन्होंने कहा कि यह आयोजन निश्चित रूप से छत्तीसगढ़ को राष्ट्रीय खेल मानचित्र पर और अधिक सशक्त स्थान प्रदान करेगा। मुख्यमंत्री ने किक बॉक्सिंग एसोसिएशन ऑफ छत्तीसगढ़ को इस भव्य आयोजन के लिए साधुवाद देते हुए कहा कि खेल जीवन का अभिन्न अंग हैं, जो केवल शारीरिक स्वास्थ्य ही नहीं, बल्कि अनुशासन, आत्मविश्वास और समर्पण का भी पाठ सिखाते हैं। उन्होंने प्रतिभागियों से आग्रह किया कि वे मेहनत, लगन और जुनून के साथ अपने लक्ष्यों की दिशा में निरंतर अग्रसर रहें। मुख्यमंत्री ने कहा, जीत और हार जीवन का हिस्सा हैं, लेकिन असली लक्ष्य अपनी क्षमता को पहचानना और उसे निखारना होना चाहिए। मुख्यमंत्री साय ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में संचालित खेलो इंडिया कार्यक्रम की सराहना करते हुए बताया कि छत्तीसगढ़ के सभी 33 जिलों को इस योजना से जोड़ा गया है, ताकि शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों के खिलाड़ियों को समान अवसर प्राप्त हो सकें। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार खेलों को बढ़ावा देने के लिए बुनियादी ढांचे के विकास, प्रशिक्षण एवं प्रोत्साहन योजनाओं पर विशेष ध्यान दे रही है। उन्होंने यह भी बताया कि ओलंपिक जैसे अंतरराष्ट्रीय आयोजनों में पदक जीतने वाले खिलाड़ियों को 1 से 3 करोड़ रुपये तक की पुरस्कार राशि देने की योजना सरकार की प्रतिबद्धता का परिचायक है। मुख्यमंत्री ने छत्तीसगढ़ क्रीड़ा प्रोत्साहन योजना का उल्लेख करते हुए बताया कि इस योजना के तहत खेल मैदानों का उन्नयन, उच्च स्तरीय उपकरणों की व्यवस्था, खेल क्लबों को आर्थिक सहायता तथा पारंपरिक खेलों के आयोजन सुनिश्चित किए गए हैं। कार्यक्रम के अंत में मुख्यमंत्री ने सभी प्रतिभागियों को प्रतिस्पर्धा में भागीदारी के लिए शुभकामनाएँ दीं।

संक्षिप्त समाचार

विधान सभा प्राक्कलन समिति ने किया रायपुर स्मार्ट सिटी परियोजनाओं का निरीक्षण

रायपुर। छत्तीसगढ़ विधानसभा की प्राक्कलन समिति ने सोमवार को राजधानी रायपुर में स्मार्ट सिटी मिशन के तहत संचालित विभिन्न परियोजनाओं का स्थल निरीक्षण किया। समिति की बैठक विधानसभा स्थित समिति कक्ष क्रमांक-02 में सभापति अजय चंद्राकर की अध्यक्षता में संपन्न हुई, जिसके बाद निरीक्षण का कार्यक्रम तय किया गया।

कई स्मार्ट लोकेशनों का निरीक्षण- प्राक्कलन समिति ने आईटीएमएस रायपुर, बी.पी. पुजारी स्कूल, मोतीबाग स्थित तक्षशिला लाइब्रेरी, स्वामी विवेकानंद सरोवर (बूढ़ा तालाब), जी.ई. रोड स्मार्ट रोड और साइंस कॉलेज चौपाटी का भी निरीक्षण किया। अधिकारियों को इन परियोजनाओं से जुड़ी वास्तविक प्रगति, संरचना और जन उपयोगिता से संबंधित समस्त जानकारी प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए।

बैठक में शामिल रहे वरिष्ठ सदस्य और अधिकारी- बैठक में समिति सदस्य भईया लाल राजवाड़े, राजेश मूणत, श्रीमती रायमुनी भगत, भोलाराम साहू, विधानसभा सचिव दिनेश शर्मा, नगरीय प्रशासन सचिव बसवराजू, नगर निगम आयुक्त विश्वदीप, और अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

स्मार्ट सिटी परियोजनाओं की पारदर्शिता और प्रभाव पर जोर- सभापति अजय चंद्राकर ने निरीक्षण के दौरान कहा कि स्मार्ट सिटी मिशन की योजनाओं में जनहित, पारदर्शिता और गुणवत्ता प्राथमिकता होनी चाहिए। निरीक्षण का उद्देश्य योजनाओं के जमीनी स्तर पर क्रियान्वयन को देखना और समयबद्ध प्रगति सुनिश्चित करना है।

केवल रिर्पोर्ट पर निर्भर न रहें, योजनाओं का क्रियान्वयन भी देखें : राज्यपाल

प्रधानमंत्री जनमन योजना के क्रियान्वयन की समीक्षा

रायपुर। राज्यपाल रमेन डेका ने सोमवार को राजभवन में प्रधानमंत्री जनजातीय आदिवासी न्याय महाअभियान (प्रधानमंत्री जनमन योजना) के क्रियान्वयन की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि वे केवल फील्ड रिर्पोर्ट पर निर्भर न रहें बल्कि निचले स्तर पर जाकर योजनाओं का क्रियान्वयन देंखें।

राज्यपाल ने प्रदेश के पीएम जनमन क्षेत्रों में विभिन्न विभागों के कार्यो की समीक्षा की और संचालित कार्यो की जमीनी हकीकत देखने के लिए इन ग्रामों का दौरा करने के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि योजना का मूल उद्देश्य विशेष पिछड़ी जनजातियों को केन्द्र द्वारा तय सुविधाओं का लाभ पहुंचाना है। इन वर्गो तक मूलभूत सुविधाएं शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क आदि देना पहली प्राथमिकता है। जो योजनाएं संचालित है वे तय समय पर पूर्ण हो जाएं। पिछड़ी जनजातीय क्षेत्रों में सुविधाएं पहुंचे इसके लिए सही एप्रोच जरूरी है। क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों के सहयोग और समन्वय से योजनाओं का सफल क्रियान्वयन सुनिश्चित करें। बैठक में राज्यपाल के सचिव डॉ. सी.आर. प्रसन्ना सहित विभिन्न विभागों के प्रमुख सचिव एवं सचिव सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

उन्होंने निर्देश दिया कि सतत् विकास की प्रक्रिया मे पर्यावरण को अनदेखा न किया जाए। जो विकास के कार्य हो रहे है, उसमें पेड़ों को बचाकर रखा जाए। उन्होंने कहा कि पानी को लेकर गंभीर होना है। जमीनी जल स्तर और वर्षा का मापन करे और उसके अनुसार योजनाएं बनाएं। रेन वाटर हार्वेस्टिंग को प्राथमिकता दे। सौर विद्युतीकरण की प्रगति पर उन्होंने असंतोष जताया और कहा कि इस क्षेत्र में जो चुनौतियां है उसका सभी मिलकर निराकरण करेंगे।

बैठक मे राज्यपाल डेका ने पीएम जनमन क्षेत्रों में आंगनबाड़ी निर्माण की प्रगति की जानकारी ली और कहा कि आंगनबाड़ीयों में लाइवलीहुड के लिए कार्य होना चाहिए। उन्होंने राज्य में स्व सहायता समूहों के गतिविधियों की सराहना करते हुए कहा कि पिछड़ी जनजातीय क्षेत्रों में भी नवाचार को प्रोत्साहित करे। उन्होंने कहा कि इन क्षेत्रों में नवाचार करने वाले स्व सहायता समूहों को राजभवन द्वारा भी पुरूस्कृत किया जाएगा। राज्यपाल डेका ने जनजातीय क्षेत्रों में प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना के तहत प्रशिक्षण पर विशेष ध्यान देने एवं स्वयंसेवी संस्थाओं की सहभागिता से नवाचार करने पर बल दिया।

चैतन्य बघेल ने की 16.70 करोड़ की 'अपराध आय' की हेराफेरी : ईडी

रायपुर। छत्तीसगढ़ के बहुचर्चित शराब घोटाले मामले में प्रवर्तन निदेशालय (श्वष्ठ) ने पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य बघेल को गिरफ्तार किया है। उन्हें 18 जुलाई को रायपुर की विशेष अदालत में पेश किया गया, जहां से उन्हें 22 जुलाई तक पांच दिन की ईडी रिमांड पर भेज दिया गया है।

ईडी ने मामले को लेकर आधिकारिक प्रेस नोट जारी करते हुए चैतन्य बघेल पर धन शोधन निवारण अधिनियम (क्करु), 2002 के तहत गंभीर आरोप लगाए हैं।

ईडी का आरोप : 16.70 करोड़ की 'अपराध आय' की हेराफेरी- ईडी के मुताबिक, चैतन्य बघेल को 2019 से 2022 के बीच हुए शराब घोटाले से 16.70 करोड़ रुपए की अपराध आय (क्क्रष्ट) प्राप्त हुई। इस राशि को वैध दिखाने के लिए उन्होंने अपनी रियल एस्टेट कंपनियों का इस्तेमाल किया और इस पैसे का उपयोग अपने विट्ठलपुरम प्रोजेक्ट जैसे रियल एस्टेट प्रोजेक्ट्स में नकद भुगतान और

बैंक एंट्रीज के ज़रिए किया।

ईडी का दावा है कि उन्होंने त्रिलोक सिंह ढिल्लों के साथ मिलीभगत कर एक योजना तैयार की, जिसके तहत ढिल्लों के कर्मचारियों के नाम पर फ्लैट खरीद की आड़ में 5 करोड़ रुपये नकद चैतन्य बघेल को ट्रांसफर किए गए।

बैंकिंग ट्रेल से मिले अहम सुराग- प्रेस नोट में कहा गया है कि त्रिलोक सिंह ढिल्लों के खातों में शराब सिंडिकेट से मिले फंड के ट्रांजैक्शन मिले हैं, जिन्हें आगे राज्य कांग्रेस कमेटी के तत्कालीन कोषाध्यक्ष को ट्रांसफर किया गया। ईडी का दावा है कि घोटाले से अर्जित धन बघेल परिवार के करीबी सहयोगियों में भी वितरित किया गया है।

पहले से गिरफ्तार कई बड़े नाम- इस शराब घोटाले में पहले ही कई हाई-प्रोफाइल गिरफ्तारियां हो चुकी हैं, जिनमें अनिल टुटेजा (पूर्व आईएएस), अरविंद सिंह (पूर्व ओएसडी, आबकारी विभाग), त्रिलोक सिंह ढिल्लों, अनवर ढेबर (पूर्ण महापौर के भाई), अरुण पति त्रिपाठी (आईटीएस) और कवासी लखमा (विधायक व तत्कालीन आबकारी मंत्री) शामिल हैं।

ईडी की जांच जारी- ईडी ने कहा है कि घोटाले से संबंधित अंतिम फंड उपयोग की जांच अभी जारी है और आगे की गिरफ्तारियां या खुलासे संभव हैं।

सैनिकों की कलाई पर सजेगी छत्तीसगढ़ की राखी, बहनों ने भेजा स्नेह और सम्मान

रायपुर। रक्षाबंधन के इस पावन पर्व पर महासमुंद की बहनों ने एक अनोखी मिसाल पेश की है। आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और महतारी वंदन योजना की लाभार्थी माताओं-बहनों ने अपने हाथों से राखियां बनाकर देश की सीमाओं की रक्षा कर रहे वीर सैनिकों को भेजी हैं। इन राखियों के साथ बहनों ने भाव-भीनी पत्र भी भेजे हैं, जिनमें उन्होंने अपने वीर सैनिक भाइयों के प्रति प्यार, सम्मान और आभार व्यक्त किया है। उल्लेखनीय है कि इस रक्षाबंधन के पावन पर्व पर जब देश के कोने-कोने से राखियां जाएंगी, तब महासमुंद की ये राखियां सैनिकों के लिए विशेष होंगी।

क्योंकि इनमें न सिर्फ धागा है, बल्कि छत्तीसगढ़ की माताओं-बहनों का सच्चा स्नेह और सम्मान भी बंधा है। महासमुंद शहरी सेक्टर 01 की आंगनबाड़ी कार्यकर्ता श्रीमती राखी दुबे ने बताया कि यह सिर्फ एक राखी नहीं, बल्कि उस भरोसे का धागा है जो हमें अपने सैनिक भाइयों से जोड़ता है। बहनों ने कहा कि रक्षाबंधन

केवल घर में नहीं, बल्कि सीमाओं पर तैनात जवानों के साथ भी मनाया जाना चाहिए, क्योंकि वही असली रक्षक हैं। जब सैनिकों की कलाई पर यह राखी बंधेगी, तो वे भी खुद को अपने परिवार से जुड़ा हुआ महसूस करेंगे। इस अवसर पर वार्ड क्रमांक 10 के पार्षद माखन पटेल, पूर्व पार्षद श्रीमती शोभा शर्मा, महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी टी. जटवार, पर्यवेक्षक श्रीमती शीला प्रधान, नगर पालिका की सीओ श्रीमती ममता बग्गा, आंगनबाड़ी सहायिका भानमती साहू, और वीणा महिला समिति की सदस्य श्रीमती सरला वर्मा, अनिता बिसेन सहित कई माताएं और बहनें शामिल रहीं। कार्यक्रम में उपस्थित सभी ने इस पहल की सराहना की और कहा कि आंगनबाड़ी केंद्र अब सिर्फ बच्चों की देख-रेख का स्थान नहीं, बल्कि समाज में संवेदनशीलता, देश-प्रेम और संस्कारों का केंद्र बनते जा रहे हैं।

सैमसंग इंडिया ने गैलेक्सीत वॉच8 सीरीज की प्री-बुकिंग शुरू की

गुरुग्राम । भारत के सबसे बड़े कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड सैमसंग ने आज गैलेक्सी वॉच8 और गैलेक्सी वॉच8 क्लासिक को लॉन्च किया है। यह सीरीज पूरे गैलेक्सी वॉच लाइनअप में एक प्रतिष्ठित डिज़ाइन पहचान स्थापित करती है। गैलेक्सी वॉच अल्ट्रा के कुशन डिज़ाइन की बुनियाद पर आधारित, यह सीरीज़ अब तक की सबसे पतली गैलेक्सी वॉच है। लॉन्च् के तहत, सैमसंग आकर्षक प्रारंभिक कीमतों और विशेष प्री-ऑर्डर लाभ प्रदान कर रहा है। गैलेक्सी वॉच8 40mm BT की कीमत 32,999 रुपये है और 40mm LTE वर्जन 36,999 रुपये में उपलब्ध है। 44mm BT और LTE वैरिएंट की कीमत क्रमशः 35,999 रुपये और 39,999 रुपये है। गैलेक्सी वॉच8 क्लासिक 47mm BT मॉडल की कीमत 46,999 रुपये है, जबकि LTE वर्जन 50,999 रुपये में उपलब्ध है। गैलेक्सी वॉच8 सीरीज़ को 9 जुलाई से 24 जुलाई, 2025 तक प्री-बुक करने वाले उपभोक्ता 12,000 रुपये तक का मल्टी-बैंक कैशबैक या अपग्रेड बोनस, या नए गैलेक्सी S और Z सीरीज़ ग्राहकों के लिए विशेष रूप से तैयार 15,000 रुपये तक के मल्टी-बाय ऑफर का लाभ उठा सकते हैं। इसके अतिरिक्त, प्रमुख बैंकों और एनबीएफसी के साथ 18 महीने तक की नो-कॉस्ट ईएमआई उपलब्ध है।

अल्टीमेट वेलनेस के लिए बिल्कुयल नई डिज़ाइन- गैलेक्सी वॉच8 सीरीज़ को नए सिरे से डिज़ाइन किया गया है ताकि यह बहुत आरामदायक हो और बेहतरीन प्रदर्शन दे। यह रोजाना की वेलनेस के लिए एक बेहतरीन साथी है। गैलेक्सी वॉच अल्ट्रा वाला खास कुशन डिज़ाइन अब सभी गैलेक्सी वॉच लाइनअप में है। इसे सबसे पतला बनाने के लिए, वॉच के अंदरूनी हिस्सों को पूरी तरह से बदला गया और हिस्सों को जोड़ने की क्षमता को 30% बेहतर किया गया, जिससे यह 11% अधिक पतला हो गया। डायनैमिक लग सिस्टम की मदद से यह डिजाइन कलाई के साथ आसानी से मूव होती है, जिससे आराम और स्थिरता बढ़ती है, और स्वास्थ्य की निगरानी और भी सटीक हो जाती है।

तेज धूप में भी, डिस्प्ले 50त्न अधिक चमकदार है और 3,000 निट्स की पीक ब्राइटनेस के साथ आसानी से दिखाई देता है। बेहतर बैटरी सक्रिय जीवनशैली के साथ तालमेल रखती है। डुअल-फ्रीक्वेंसी त्नक्क्र अधिक विस्तृत और सटीक लोकेशन रिजल्टे प्रदान करता है, जबकि 3nm प्रोसेसर तेज़ प्रदर्शन और अधिक पावर दक्षता प्रदान करता है। महत्वतपूर्ण बायोएक्टिव सेंसर गहरी और सटीक स्वास्थ्य जानकारी प्रदान करता है। गैलेक्सीी वॉच8 सीरीज आपकी सेहत को एक संपूर्ण व्यू प्रदान करने में मदद करती है।

सबसे ऐडवांस्ड् स्लीदप और हेल्थ ट्रैकिंग - गैलेक्सी वॉच8 सीरीज़ एक शानदार स्मार्टवॉच रेंज है, जो बेहतरीन स्वास्थ्य ट्रैकिंग और आकर्षक डिज़ाइन को जोड़ती है। यह सैमसंग की अब तक की सबसे ऐडवांस्डर हेल्थो एवं वेलनेस डिवाइस है। इसमें बायोएक्टिव सेंसर है, जो नींद की सटीक और विस्तृत जानकारी देता है। बेडटाइम गाइडेंस आपके शरीर की प्राकृतिक लय को मापकर बताता है कि आपको कब सोना चाहिए, ताकि सुबह आप तरोताज़ा महसूस करें। वैस्कुलर लोड नींद के दौरान आपकी रक्त वाहिकाओं पर तनाव की निगरानी करता है। साथ ही, यह स्लीप कोचिंग भी देता है, जो बेहतर नींद की आदतें बनाने में मदद करता है।

17 साल, एक कलर्स, अनगिनत कहानियाँ

2008 में जब कलर्स की शुरुआत हुई, तो भारतीय टेलीविजन के कैनवास पर कहानी कहने का एक नया युग शुरू हुआ। इसने परंपराओं को तोड़ा और हिंदी जीईसी (जनरल एंटरटेनमेंट चैनल) की परिभाषा ही बदल दी। बीते 17 वर्षों में कलर्स ने टीवी स्क्रीन ही नहीं, दिलों को भी उन कहानियों से रंगा जो सच में मायने रखती हैं — बाल विवाह जैसे मुद्दे उठाने वाले बालिका वधू से लेकर लैंगिक भेदभाव को चुनौती देने वाली शक्ति तक, और बिग बॉस, खतरों के खिलाड़ी, तथा हालिया हिट लाफ्टर शेफ्सः अनलिमिटेड एंटरटेनमेंट जैसे रियलिटी शोज तक। हमने हमेशा ऐसे अनसुने नायकों का सम्मान किया है जो शांत लेकिन अडिग साहस के प्रतीक हैं।चाहे वो आनंदी हों या बोंदिता, मन्नत हो या मंगल — इन नायिकाओं ने सिर्फ अपने लिए नहीं, समाज के लिए भी बदलाव की मशाल जलाई है। कलर्स का यह जज्बा आज भी कायम है। चैनल की 17वीं वर्षगांठ पर, जियोस्टार के प्रवक्ता श्री आलोक जैन ने कहा, जब कलर्स 17 साल का हुआ है, हम एक ऐसी विरासत का जश्न मना रहे हैं।

पीएचई के अभियंताओं के लिए बीआईएस द्वारा आयोजित क्षमता निर्माण कार्यक्रम में शामिल हुए उप मुख्यमंत्री

तेजी से बदलती दुनिया में नए मानकों और नवाचारों की जानकारी जरूरी :अरुण साव

रायपुर। उप मुख्यमंत्री तथा लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री अरुण साव सोमवार को भारतीय मानक ब्यूरो द्वारा लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के अभियंताओं के लिए आयोजित क्षमता निर्माण कार्यक्रम में शामिल हुए। भारतीय मानक ब्यूरो के रायपुर कार्यालय द्वारा रायपुर के नवीन विश्राम भवन में 21 और 22 जुलाई को दो दिवसीय इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। देशभर से आए विषय विशेषज्ञ कार्यक्रम में पीएचई के अभियंताओं को जल प्रदाय योजनाओं में प्रयुक्त सामग्री और कार्यों के नए मानकों की जानकारी दे रहे हैं। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के प्रदेशभर के 120 से अधिक अभियंता इसमें हिस्सा ले रहे हैं जिनमें मुख्य अभियंता से लेकर अधीक्षण अभियंता, कार्यपालन अभियंता और सहायक अभियंता शामिल हैं।

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने क्षमता निर्माण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अभियंताओं से कहा कि तेजी से बदलती

दुनिया में नए मानकों और नवाचारों से अपडेट रहना जरूरी है। एक इंजीनियर के रूप में सम-सामयिक तकनीकी पहलुओं और उनके नवीन मापदंडों की जानकारी आवश्यक है। कार्यों को गुणवत्ता के साथ पूर्ण करने के लिए इनकी अच्छी जानकारी काफी मददगार होती है। उन्होंने भारतीय मानक ब्यूरो को क्षमता निर्माण कार्यक्रम के आयोजन के लिए धन्यवाद देते हुए कहा कि इससे हमारे अभियंताओं की दक्षता और क्षमता बढ़ेगी।

उप मुख्यमंत्री साव ने कहा कि लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग का कार्य सीधे जन कल्याण से जुड़ा हुआ है। चाहे वह स्वच्छ पेयजल की व्यवस्था हो, जल शोधन की प्रक्रिया हो या ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में जल आपूर्ति तंत्र को सुदृढ़ बनाना हो। इन कार्यों की प्रभावशीलता इस बात पर निर्भर करती है कि हम मानकों का कितना पालन करते हैं और तकनीकी ज्ञान को कितनी सफलता से धरातल पर उतारते हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के अभियंताओं के लिए यह कार्यक्रम उनके कार्यस्थल पर प्रभावी कार्य संपादन में सहायक होगी। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के सचिव मोहम्मद कैसर अब्दुलहक ने कहा कि देश-दुनिया में प्रचलित मानकों और मापदंडों से विभाग के अभियंताओं को अवगत कराने भारतीय मानक ब्यूरो द्वारा इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। उन्होंने विभागीय अभियंताओं से अपील की कि वे यहां सीखी गई बातों को फील्ड में कार्यों के मापन और मूल्यांकन में जरूर अपनाएं। जल जीवन मिशन के संचालक जितेन्द्र शुक्ला, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के प्रमुख अभियंता टी.डी. सांडिल्य और भारतीय मानक ब्यूरों के क्षेत्रीय निदेशक एस.के. गुप्ता ने भी प्रतिभागी अभियंताओं को संबोधित किया।

दो दिवसीय क्षमता निर्माण कार्यक्रम में इनसे संबंधित मानकों की दी जाएगी जानकारी- भारतीय मानक ब्यूरो के विशेषज्ञ दो दिनों तक चलने वाले क्षमता निर्माण कार्यक्रम में पीएचई के अभियंताओं को भवन उपयोगिता में वृद्धि हेतु जल आपूर्ति, जल निकासी एवं स्वच्छता के लिए श्रेष्ठ व्यवहार, सेवाओं एवं संसाधनों का अनुकूलन : पेयजल आपूर्ति सेवाएं और परिसंपत्ति प्रबंधन प्रणाली, सुरक्षित जल की उपलब्धता सुनिश्चित करने पेयजल की गुणवत्ता, नमूनाकरण एवं परीक्षण में मानकों की भूमिका, सतत संचयन : वर्षा जल प्रबंधन में बीआईएस मानकों की भूमिका, आधुनिक स्वच्छता समाधान : रोटेशनल मोल्डेड पॉलीएथिलीन सेप्टिक टैंक और आईएस 18666, ओवरहेड टैंक, सिविल संरचनाएं (धातु, सीमेंट, आरसीसी), पैकेज्ड जल उपचार संयंत्र (पारंपरिक व अपरंपरागत), दक्षता का अनुकूलन : अपशिष्ट जल आपूर्ति नेटवर्क में परिसंपत्ति प्रबंधन, पाइप सामग्री (DI/CI/PVC/HDPE) तथा पंपिंग प्रणालियों में मानकीकरण के माध्यम से उत्कृष्टता प्राप्त करने के बारे में जानकारी देंगे।

संपादकीय

बिहार में डोमिसाइल नीति लागू

विधानसभा चुनाव से ऐन पहले महिला मतदाताओं को लुभाने के लिए बिहार सरकार ने सरकारी नौकरियों में 35 प्रतिशत आरक्षण की बात की है। अब तक सभी महिलाओं को मिलने वाले इस आरक्षण पर नीतीश कैबिनेट ने डोमिसाइल नीति लागू की है। यह स्थानीय प्रमाणपत्र होता है। राज्य सरकारें इनके आधार पर स्थानीय युवाओं को सरकारी नौकरियों, शैक्षणिक संस्थानों और स्थानीय योजनाओं में प्राथमिकता देती हैं। इसके बाद अन्य राज्यों की महिलाएं भी सामान्य कोटे में आवेदन कर सकेंगी। यह व्यवस्था पहले ही हरियाणा, मप्र, हिप्र, राजस्थान और उत्तराखंड में लागू है। बिहार के युवा अन्य राज्यों की नीति के चलते नुकसान झेलने की बात करते रहे हैं। बैठक में कुल 43 एजेंडों पर मुहर लगी जिनमें युवा आयोग और दिव्यांगजन सिविल सेवा प्रोत्साहन योजना भी है। दिव्यांगों को प्रोत्साहित करने तथा पुरुष दिव्यांग अभ्यर्थियों को पिछड़ा, सामान्य और आर्थिक तौर पर कमजोर युवाओं के लिए यह योजना है। बिहार में 60 प्रतिशत जातीय-आर्थिक आरक्षण पहले से ही लागू है। 35 प्रतिशत मूल बिहारी महिलाओं के इस आरक्षण के बाद यह बढ़ कर 74 प्रतिशत पर पहुंच जाएगा जिसका सीधा असर अनारक्षित वर्ग पर पड़ेगा जिसके लिए बस 14 प्रतिशत सीटें ही बचेंगी। वर्तमान में राज्य में 18 प्रतिशत अतिपिछड़ा, 12 प्रतिशत अन्य पिछड़ा, 16 प्रतिशत एससी, एक प्रतिशत एसटी और ओबीसी महिलाओं का 3त्न आरक्षण लागू है। इसमें आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग का 10 प्रतिशत भी है। शीर्ष अदालत द्वारा आरक्षण की सीमा पर लगाम लगाने की नसीहतों को चुनौती देते हुए राज्य सरकारें चुनावी लाभ के लोभ में इस तरह की कवायद करती रहती हैं। समर्थकों और मतदाओं को लुभाने के आधार पर आरक्षण के जाल फेंकती हैं। विपक्ष का भी आरोप है कि मतदाताओं के रुझान का आभास होते ही नीतीश सरकार द्वारा यह दांव चला गया है। हालांकि देखने में आता है कि महिलाओं की लाभकारी योजनाओं का ऐलान करके पूर्ववर्ती सरकारों ने खासा चुनावी लाभ लिया था। मगर यह उन शिक्षित और जरूरतमंद महिलाओं के भविष्य के लिए बेहतर साबित हो सकता है, जो विभिन्न कारणों से नौकरी के लिए परिवार से दूर नहीं जा सकतीं। दिव्यांगों को सिविल सेवा के लिए तैयार करने की यह योजना यदि सार्थक रहती है, तो इसे देश के स्तर पर लागू करने के प्रयास भी होने चाहिए।

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष कौन होगा ,एक यक्ष प्रश्न?

अजय दीक्षित

भारतीय जनता पार्टी और राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ में यह आम राय नहीं बन पा रही है कि पार्टी का अध्यक्ष कौन होगा। यह एक यक्ष प्रश्न है और किसी भी एक व्यक्ति के हाथ में नहीं है कि वह फैसला कर सके । लेकिन जिन नेताओं के नाम सामने आए हैं उनको भी यह नहीं पता कि उनका नाम कहां से आया है। इस गुत्थी को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के सरकारवाह दत्तात्रेय होशवले सुलझाने में लगे हैं। इस पद का चयन 2029 लोकसभा चुनाव से भी जुड़ा है।एक मुद्दा यह भी है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आगामी 17 सितंबर को 75 वर्ष के होने वाले हैं। संघ प्रमुख मोहन भागवत ने हाल ही में संघ प्रचारक स्व मोरोपंत पिंगले के समारोह में बोलते हुए कहा था कि राजनीति में अवकाश की आयु सीमा तय होनी चाहिए।इस संदेश से भारतीय जनता पार्टी में हड़कंप मच गया है।इस संदेश को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से जोड़ा जा रहा है। ऐसा सुना जा रहा है कि लोकसभा सत्र से पहले राष्ट्रीय अध्यक्ष पद का चुनाव हो सकता है। 2024 में भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने कहा था कि अब हमें राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ की जरूरत नहीं है। भारतीय जनता पार्टी सक्षम है लेकिन पार्टी के भीतर संगठन मंत्रियों ने इस बयान को बचकाना माना था और किसी ने भी समर्थन नहीं किया था क्योंकि खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ही खंती विभाग प्रचारक रहे हैं। केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर, भूपेंद्र सिंह, धर्मेंद्र प्रधान, शिवराज सिंह चौहान, राजनाथ सिंह, और कई मुख्यमंत्री संघ के बकायदा दायित्व वान कार्यकर्ता रहे हैं। और इन नेताओं के नाम ही अध्यक्ष पद के लिए आ रहे हैं। बताया जाता है कि अब की बार राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ अपने स्तर पर मुख्यमंत्रियों से भी राय ले रहा है।संघ ने दत्तात्रेय होसबोले को राय देने की जिम्मेदारी दे रखी है। भारतीय जनता पार्टी चाहती है कि दक्षिण भारत से कोई नाम अंतिम दौर में पहुंचे । महिला के तौर पर वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, आंध्र प्रदेश से मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू की साली और एन टी रामाराव की पुत्री भाजपा नेत्री, केंदीय मंत्री पुरुदनरी का नाम भी शामिल है। लेकिन उत्तर भारत से हिंदी पट्टी से भी नाम पर सहमति बन सकती है। भारतीय जनता पार्टी संजय जोशी के नाम को लेकर असमंजस में है वे केंद्रीय संगठन महासचिव भी उस समय रहे हैं जब स्व अटल बिहारी वाजपेई प्रधानमंत्री थे । संजय जोशी भी गुजरात से आते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी संजय जोशी के बजाय बी अल संतोष के नाम को आगे बढ़ाने के इच्छुक हैं।संतोष भी वर्तमान में केंद्रीय संगठन महासचिव है। और राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के क्षेत्रीय प्रचारक रहे हैं, दक्षिण भारत से भी है। लेकिन राष्ट्रीय अध्यक्ष पद पर कोई बड़ा व्यक्तिव आसीन होने वाला है यह तय है।जो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पसंद का भी हो सकता है। राष्ट्रीय अध्यक्ष बन ना बड़ी जिम्मेदारी है। उत्तराखंड,दिल्ली, हरियाणा महाराष्ट्र गोवा ओड़िशा मेघालय मिजोरम नागालैंड त्रिपुरा मणिपुर, मप्र, राजस्थान, गुजरात, उत्तर प्रदेश,असम,में भारतीय जनता पार्टी की सरकार है जबकि आंध्र प्रदेश, बिहार, एनडीए सरकार है। उल्लेखनीय है कि भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष पद पर चुनाव तीन साल के लिए होता है और दो कार्यकाल से अधिक कोई भी चुना नहीं जा सकता है। अब तक अटल बिहारी वाजपेई ही ऐसे नेता रहे हैं जो जनसंघ और भारतीय जनता पार्टी के लगभग आठ साल अध्यक्ष रहे हैं। उसके लालकृष्ण आडवाणी 4, वर्ष अध्यक्ष रहे। राजनाथ सिंह दो बार अलग अलग समय पर इस पद पर चुने गए हैं। वैंकेया नायडू, पी अनंत कुमार, कुशाभाऊ ठाकरे, के कृष्णमूर्ति, भी अध्यक्ष रहे हैं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, जेपी नड्डा,4,4 वर्ष अध्यक्ष पद चुने गए हैं। पंडित दीनदयाल उपाध्याय ऐसे नेता रहे जो जनसंघ के प्रथम संगठन महासचिव रहे और श्यामा प्रसाद मुखर्जी की मृत्यु के बाद अध्यक्ष बने। बलराज माधोक, सुंदर सिंह भंडारी,भी जनसंघ के अध्यक्ष रहे हैं। भारतीय जनता पार्टी 1984 के लोकसभा चुनावों में 02 सीटे ही जीत पाई थी। उसके बाद लालकृष्ण आडवाणी अध्यक्ष निर्वाचित हुए।1989 लोकसभा चुनावों में भारतीय जनता पार्टी ने 86 लोकसभा जीतकर भारतीय राजनीति में अपना स्थान बनाया था।

कांवड़ यात्रा - धर्म, संस्कृति, परंपरा व सामाजिक समरसता का अद्भुत संगम

दीपक कुमार त्यागी

पवित्र श्रावण मास चल रहा है, इस मास में देश के विभिन्न हिस्सों में शिवभक्त देवाधिदेव भगवान महादेव के ऊपर पवित्र नदियों का जल चढ़ाने के लिए सदियों से कांवड़ लेकर आते हैं। हालांकि कुछ लोगों के मन में यह प्रश्न उठता रहता है कि आखिर यह कांवड़ यात्रा क्या है, उन्होंने बेहद सरल शब्दों में यह समझना चाहिए कि कांवड़ यात्रा सनातन धर्मियों की केवल आस्था का ही नहीं बल्कि हमारे प्यारे देश भारत की समृद्धशाली धर्म-सांस्कृतिक, प्राचीन परंपरा और विरासत का एक अद्भुत प्रतीक है। वैसे भी सनातन धर्म-संस्कृति में पवित्र श्रावण मास की शिवरात्रि को देवाधिदेव भगवान महादेव की आराधना के लिए सबसे श्रेष्ठ दिन माना जाता है। इसलिए शिव भक्तों के द्वारा श्रावण मास की शिवरात्रि को भगवान शिव की पूजा-अर्चना करके कांवड़ से लाये पवित्र जल के माध्यम से जलाभिषेक करके इसको एक भव्य महापर्व के रूप में मनाया जाता है। हालांकि पूरे श्रावण मास में ही भगवान शिव का जलाभिषेक करने के लिए शिव भक्त दूर-दूर से पवित्र नदियों खासतौर पर गंगा के जल को सनातन धर्म की बेहद प्राचीन धर्म-संस्कृति व परंपराओं के अनुसार लाकर भगवान शिव के शिवलिंग का जलाभिषेक करते हैं।

देश-दुनिया में पवित्र नदियों के जल को शिव भक्तों के कंधे पर बांस की बनी कांवड़ के दोनों सिरों पर लटके हुए कलश में लेकर के आने की इस अद्भुत यात्रा को ही कांवड़ यात्रा कहते हैं। सदियों के बाद आज के दौर में शिव भक्त हर वर्ष तरह-तरह की कांवड़ लेकर आते हैं, जो लोगों को आकर्षित करने का कार्य करती हैं। कांवड़ यात्रा भगवान भोलेनाथ की पूजा अर्चना का एक धार्मिक अनुष्ठान मात्र ही नहीं है, बल्कि यह यात्रा प्राचीन धर्म-संस्कृति, परंपराओं व सामाजिक समरसता का एक विशाल अद्भुत संगम है। भगवान शिव के आशिर्वाद से हर वर्ष ही कांवड़ यात्रा से जहां एक तरफतो लाखों लोगों को रोजगार मिलने से उनका परिवार पलता है, वहीं दूसरी तरफ यह भगवान शिव की पूजा-अर्चना करके उन्हें खुश करने का एक बड़ा अवसर भक्तों को मिलता है। कांवड़ यात्रा लोगों को एक जुट रहकर के जल की एक-एक बूंद की अहमियत को बताते हुए प्रकृति की पूजा के बारे में बताती है, वहीं सनातन धर्मियों को बड़े पैमाने पर इकट्ठा करके जातियों के जहरीले बंधनों को तोड़कर के सनातनियों को एक सूत्र में पिरोने का एक बहुत बड़ा संदेश भी देती है।

कांवड़ यात्रा एक कठिन तपस्या भी है, जिसमें भक्त पवित्र नदियों से जल लेकर के भगवान शिव को चढ़ाते हैं। पवित्र नदियों का जल लेकर के भगवान शिव पर जल चढ़ाने की प्रथा सदियों से चली आ रही है। यहां तक की हमारे पुराणों और ग्रंथों में भी कांवड़ यात्रा से संबंधित तथ्य मिलते हैं। शिव भक्त कांवड़िए कांवड़ अलग-अलग तरह की कांवड़ लेकर आते हैं। बहुत सारे भक्त सामान्य कांवड़ लेकर पैदल चलते हैं जिसमें आवश्यकताओं अनुसार भक्त विश्राम करते हुए भगवान शिव का जलाभिषेक करने के लिए गंगा जल लाते हैं।

वहीं डाक कांवड़ में शिवभक्त गंगा जल लेकर लगातार दौड़ लगाने की कठिन तपस्या करते हुए, शिव-शंभु का जलाभिषेक करते हैं, यह कांवड़ आजकल बहुत ज्यादा प्रचलन में है। वहीं खड़ी कांवड़ में कांवड़ को जमीन पर नहीं रखा जाता है, विश्राम करते समय भी दूसरा साथी कांवड़ कंधों पर रखता है।

वहीं कुछ शिव भक्त बैठी कांवड़ लेकर आते जिसमें वह कांवड़ पास रखकर के बैठकर आराम कर सकते हैं। वहीं कुछ भक्त दंडी कांवड़ लेकर आते हैं जो सबसे कठिन होती है, इसमें कांवड़िया दंडवत प्रणाम करते हुए निशान लगाते हुए धीरे-धीरे आगे बढ़ते हैं, यह सबसे कठिन प्रकार की कांवड़ यात्रा होती है। सदियों पहले कांवड़ यात्रा की शुरुआत कैसे हुई, इसके संदर्भ में कई पौराणिक मान्यताएं हैं, माना जाता है कि समुद्र मंथन में निकले हलाहल विष को भगवान शिव ने जब पीकर अपने कंठ में इकट्ठा कर लिया था, तो देवताओं ने भगवान शिव का जलाभिषेक करना शुरू कर दिया था।

वहीं कुछ पौराणिक कथाओं के मतानुसार रावण को ही पहला कांवड़िया माना जाता है। कहा जाता है कि भगवान शिव समुद्र मंथन से निकले हलाहल विष को पीकर जब ताप से बेहद व्याकुल हो गए थे, तब उन्होंने अपने अन्नय भक्त लंका नरेश रावण को पुकारा था, शिव भक्त रावण ने तत्काल उपस्थित होकर भगवान शिव के हालात देखकर के उनका जलाभिषेक करना शुरू कर दिया था। जिससे भगवान शिव को शांति मिली थी।

यह भी कहा जाता है कि भगवान परशुराम ने गढ़मुक्तेश्वर से गंगा से जल लाकर के जब पुरा महादेव मंदिर बागपत में भगवान शिव का जलाभिषेक किया था, तब से ही कांवड़ यात्रा की शुरूआत हुई है।

वहीं रामायण में उल्लेख मिलता है कि त्रेतायुग में श्रवण कुमार ने अपने नेत्रहीन माता-पिता को बांस की डंडे के दोनों ओर बंधी टोकरियों में बैठाकर गंगा स्नान व तीर्थाटन करवाने की यात्रा शुरू की थी, तब से ही कांवड़ यात्रा की शुरूआत हुई।

हांलांकि आज भी कांवड़ यात्रा में चंद विधर्मी हुड़दंगियों को छोड़ दिया जाए तो यह एक बहुत ही कठिन जप-तप वाली तपस्या है, जोकि शिव भक्त कांवड़ियों के अपने आराध्य भगवान शिव पर अटूट विश्वास के दम पर ही पूर्ण होती है। शिव भक्तों की कांवड़ भगवान शिव के प्रति आस्था अटूट समर्पण और भक्ति का प्रतीक है। कांवड़ यात्रा के दौरान कांवड़ को कंधे पर रखकर के पैदल चलते हुए शिव भक्त तरह-तरह के शारीरिक कष्ट सहते हैं, फिर भी शिव भक्तों की भगवान शिव के प्रति आस्था जरा सी भी कम नहीं होती है।

अंधविास की भट्टी में झुलसती मानवता

अवनीश कुमार गुप्ता

वही क्षण था जब चंद्रयान-3 ने चांद की सतह पर भारत का झंडा स्थापित कर विज्ञान की नई ऊंचाइयों को छू लिया, लेकिन उसी समय भारत के ही एक गांव में कुछ लोगों ने एक परिवार के पांच सदस्यों को 'डायन' कह कर जिंदा जला दिया। ये दो घटनाएं किसी कल्पना की उपज नहीं, बल्कि हमारे समय और समाज की दो परस्पर विरोधी सच्चाइयों का आईना हैं। एक ओर अंतरिक्ष में विजय तो दूसरी ओर अंधविास की भट्ठी में झुलसती मानवता। बिहार के पूर्णिया जिले के टेटगामा गांव में तीन महिलाओं और दो पुरु षों को 'डायन' बता कर पीटा गया और पेट्रोल छिड़क कर जिंदा जला दिया गया। इस अमानवीय कृत्य में लगभग 150 लोगों की भीड़ शामिल थी। यह केवल हत्या नहीं, बल्कि उस तार्किक चेतना की हार थी जो हमारी संस्कृति और संविधान, दोनों में प्रतिष्ठित है। यह घटना एक गांव या राज्य की समस्या नहीं, उस सोच का परिणाम है जहां विज्ञान का दीपक जलाए बिना ही हम आधुनिक बनने का भ्रम पालते हैं। रिपोर्ट के अनुसार, 2000 से 2016 तक बिहार में 2,500 से अधिक डायन-हत्या की घटनाएं हो चुकी हैं। यह आंकड़ा केवल आंकड़ा नहीं, बल्कि सवाल है कि हम किस दिशा में बढ़ रहे हैं? क्या तकनीक की प्रगति का लाभ चंद महानगरों और उच्च वर्ग तक ही सीमित रहेगा? क्या गांवों तक वैज्ञानिक सोच, संवेदनशीलता और मानवाधिकारों की चेतना पहुंची है? या फिर आधुनिकता मोबाइल और इंटरनेट की सुविधा तक ही सिमट गई है? यह घटना न केवल मानवाधिकारों का उल्लंघन है, बल्कि संविधान और कानून की विफलता भी है। जब पूरा गांव एक अमानवीय कृत्य में शामिल हो, और पुलिस-प्रशासन निष्क्रिय बना रहे, तो सवाल उठता है कि लोकतंत्र के स्तंभ क्या चुनावों और भाषणों तक सीमित रह गए हैं? पुलिस की निष्क्रियता और प्रशासन की उदासीनता इस पूरे तंत्र पर गहरी चोट है, जो दिखाती है कि संवैधानिक ढांचे के भीतर भी बहुत सी दरारें हैं, जिन्हें भरने की जिम्मेदारी सिर्फ सरकार की नहीं, पूरे समाज की है। हमारे पूर्वजों की परंपरा में तर्क, विज्ञान और विवेक का बहुत महत्त्व था। आर्यभट्ट, वराहमिहिर, चरक, सुश्रुत जैसे नाम केवल ऐतिहासिक नहीं, बल्कि भारतीय बौद्धिक परंपरा की नींव थे। लेकिन क्या आज उनके विचारों की छाया हमारे गांव-कस्बों तक पहुंची है? किसी महिला के बीमार हो जाने पर भी उसका इलाज अस्पताल में कराने की बजाय उसे डायन कह कर जलाया जाता है, तो इसका मतलब है कि हमारा समाज अतीत के किसी अंधेरे कुएं में जा गिरा है। मीडिया की भूमिका भी इस पूरे विमर्श में संदिग्ध है। आज की मीडिया सिर्फ सनसनी पर केंद्रत है। घटना की संवेदनशीलता को समझने के बजाय वे इसे टीआरपी की दौड़ में बदल देते हैं। क्या कोई समाचार संस्था बताती है कि इस तरह की घटनाएं क्यों हो रही हैं? क्या वे समाज को इस ओर मोड़ने का प्रयास कर रहे हैं कि अंधविास, अज्ञानता और पाखंड का समूल नाश हो? नहीं। वे केवल क्लिप बनाते हैं, भावनाएं भड़काते हैं, पर कोई वैचारिक आंदोलन नहीं चलाते। ऐसी घटनाओं में भीड़तंत्र को तो जिम्मेदार ठहराया ही जाना चाहिए लेकिन उससे भी अधिक जिम्मेदार हैं वे संस्थाएं जो समाज को दिशा देने के लिए बनी हैं-शिक्षा संस्थान, धार्मिक संगठन, पंचायतें और प्रशासनिक तंत्र। अगर इन सबकी चुप्पी किसी एक क्रिया को संभव बनाती है,।

हम सिर्फ चिंता जताते रह गये और चीन ने ब्रह्मपुत्र नदी पर बांध बनाने का काम शुरू भी कर दिया

नीरज कुमार दुबे

चीन ने भारत सीमा से लगे दक्षिण-पूर्वी तिब्बत के न्यिंगची क्षेत्र में ब्रह्मपुत्र नदी पर एक विशाल बांध के निर्माण की आधिकारिक शुरुआत कर दी है। इस परियोजना का शिलान्यास खुद चीनी प्रधानमंत्री ली क्वियांग ने किया। स्थानीय मीडिया के हवाले से यह खबर सामने आई है। हम आपको याद दिला दें कि इस परियोजना को दिसंबर 2024 में चीन सरकार ने स्वीकृति दी थी। चीन इसे 'कार्बन न्यूट्रलिटी' और तिब्बत क्षेत्र के आर्थिक विकास से जोड़कर देख रहा है। चीन की सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ के अनुसार इस परियोजना से उत्पन्न बिजली का अधिकांश हिस्सा तिब्बत के बाहर के क्षेत्रों में भेजा जाएगा, जबकि आंशिक रूप से तिब्बत की स्थानीय ऊर्जा आवश्यकताओं की भी पूर्ति होगी।

इस निर्माण के तहत पांच प्रमुख हाइड्रोपावर स्टेशन बनाए जाएंगे जिन पर अनुमानित खर्च 1.2 ट्रिलियन युआन (लगभग 167 अरब डॉलर) होगा। चीन का दावा है कि यह परियोजना यांग्त्से नदी पर बने विश्वप्रसिद्ध थ्री गॉर्जेस डैम से भी अधिक बिजली उत्पादन करेगी।

दूसरी ओर, भारत और बांग्लादेश जैसे डाउनस्ट्रीम देशों के लिए यह परियोजना कई आशंकाओं को जन्म देती है। विशेषज्ञों का मानना है कि इससे ब्रह्मपुत्र नदी के जलप्रवाह और पारिस्थितिकी तंत्र पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। भारत सरकार ने इस परियोजना को लेकर पहले ही चिंता व्यक्त कर दी थी। जनवरी 2025 में भारत के विदेश मंत्रालय ने आधिकारिक बयान जारी करते हुए कहा था कि भारत ने चीन से आग्रह किया है कि ब्रह्मपुत्र के अपस्ट्रीम इलाकों में की जा रही गतिविधियों से डाउनस्ट्रीम देशों के हितों को नुकसान न पहुंचे। इसके जवाब में चीन ने कहा था कि यह बांध डाउनस्ट्रीम प्रभाव के लिहाज से 'नकारात्मक असर' नहीं डालेगा।

हम आपको यह भी बता दें कि इस बांध के निर्माण को लेकर केवल भारत ही नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय पर्यावरण विशेषज्ञ भी चिंतित हैं। दरअसल तिब्बती पठार को 'विश्व की जल टंकी' (Water Tower of the World) कहा जाता है और यह क्षेत्र पहले ही जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभावों का सामना कर रहा है। विशेषज्ञों का कहना है कि इतनी बड़ी परियोजना से तिब्बती पठार की नाजुक पारिस्थितिकी पर स्थायी और अपूरणीय प्रभाव पड़ सकता है, जिससे पूरे हिमालयी क्षेत्र में जल, मौसम और पारिस्थितिकी परिवर्तन की आशंका है।

देखा जाये तो भारत के लिए यह परियोजना केवल पर्यावरण या जलस्रोत का मुद्दा नहीं है, बल्कि यह रणनीतिक और भू-राजनीतिक चिंता भी है। न्यिंगची क्षेत्र, जहां यह बांध बन रहा है, भारत के अरुणाचल प्रदेश के बेहद करीब है, जिसे चीन 'दक्षिण तिब्बत' कहकर अपना हिस्सा बताता रहा है। इस बांध के जरिये चीन भविष्य में ब्रह्मपुत्र नदी के पानी के प्रवाह को नियंत्रित कर सकता है, जिससे अरुणाचल प्रदेश, असम और बांग्लादेश तक पानी की आपूर्ति पर प्रभाव पड़ सकता है। इससे न सिर्फ भारत की खाद्य सुरक्षा, सिंचाई और बिजली परियोजनाएं प्रभावित हो सकती हैं, बल्कि आपदा (बाढ़ या सुखाड़) के जोखिम भी बढ़ सकते हैं। हम आपको यह भी बता दें कि चीन लंबे समय से अपने पड़ोसी देशों के खिलाफ 'डैम डिप्लोमेसी' यानी बांध निर्माण के जरिये दबाव बनाने की रणनीति अपनाता रहा है। मेकोंग नदी हो या ब्रह्मपुत्र, चीन बार-बार अपने अपस्ट्रीम अधिकारों का हवाला देकर डाउनस्ट्रीम देशों को असहज स्थिति में डालता आया है। भारत के लिए आगे की राह क्या होनी चाहिए, यदि इस पर गौर करें तो निश्चित रूप से भारत को इस मुद्दे पर राजनयिक दबाव के साथ आंतरिक तैयारी भी तेज करनी होगी। इसके अलावा, अरुणाचल और असम में वैकल्पिक जलस्रोतों का प्रबंधन करना होगा, अंतरराष्ट्रीय मंचों पर चीन के कदमों का विरोध करना होगा और भारत-बांग्लादेश के बीच मजबूत सहयोग स्थापित करना होगा। साथ ही ब्रह्मपुत्र बेसिन में अपने जल बुनियादी ढांचे को मजबूत करना भारत की रणनीति का हिस्सा होना चाहिए। इसमें कोई दो राय नहीं कि यह बांध तिब्बत और दक्षिण एशिया की राजनीति, पर्यावरण और भू-राजनीति के लिए आने वाले वर्षों में एक बड़ा मुद्दा बनने जा रहा है। भारत को अब केवल चिंता व्यक्त करने से आगे जाकर, सक्रिय रणनीतिक, कूटनीतिक और तकनीकी उपाय करने होंगे। जहां तक भारत के पूर्वोत्तर राज्यों की ओर से व्यक्त की गयी चिंता की बात है तो आपको बता दें कि अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने हाल ही में कहा था कि राज्य की सीमा के निकट चीन द्वारा बनाया जा रहा विशाल बांध एक ''वाटर बम'' होगा और यह सैन्य खतरे के अलावा, किसी भी अन्य समस्या से कहीं ज्यादा बड़ा मुद्दा है। उन्होंने कहा था कि यारलुंग सांगपो नदी पर दुनिया की सबसे बड़ी बांध परियोजना गंभीर चिंता का विषय है क्योंकि चीन ने अंतरराष्ट्रीय जल संधि पर हस्ताक्षर नहीं किए हैं, जो उसे अंतरराष्ट्रीय मानदंडों का पालन करने के लिए मजबूर कर सकती थी। मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने कहा था, ''मुद्दा यह है कि चीन पर भरोसा नहीं किया जा सकता। कोई नहीं जानता कि वे कब क्या करेंगे।''

वहीं असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने ब्रह्मपुत्र नदी पर चीन द्वारा दुनिया का सबसे बड़ा बांध बनाने को लेकर लोगों की चिंताओं दूर करने का प्रयास करते हुए कहा है कि फिलहाल चिंता की कोई बात नहीं है क्योंकि इस नदी के भीतर अधिकांश पानी भूटान और अरुणाचल प्रदेश से आता है। सरमा ने संवाददाताओं से कहा कि पिछले सप्ताह शुरू हुए इस विशाल बांध से वास्तव में क्या प्रभाव पड़ेगा, फिलहाल इसकी ठोस जानकारी नहीं है क्योंकि अलग-अलग बातें कही जा रही हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि केंद्र सरकार इस मामले में चीन के संपर्क में रहेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि चीन द्वारा बांध के संबंध में दो वैज्ञानिक दृष्टिकोण सामने आए हैं। उन्होंने कहा, ''पहला- अगर चीन ब्रह्मपुत्र के प्रवाह को बाधित करता है तो पानी कम हो सकता है और परिणामस्वरूप जैव विविधता प्रभावित होगी। लेकिन एक विपरीत पहलू यह भी है कि अगर कम पानी

सावन में शिवजी की पूजा से पहले जरूर करें ये शृंगार

हिंदू धर्म में सावन के महीने को बहुत पवित्र माना जाता है। ये पूरा महीना भगवान शिव को समर्पित होता है। जहां कुंवारी लड़कियां अच्छे वर के लिए शिवजी की आराधना करती हैं, तो वहीं सुहागिन महिलाएं अपने पति की लंबी उम्र की कामना करती हैं। इन दिनों महिलाओं का सोलह शृंगार करना बेहद शुभ माना जाता है, खासतौर से शिवजी के पूजन के दौरान। क्योंकि सोलह शृंगार को सौभाग्य का प्रतीक माना जाता है। हालांकि कुछ महिलाएं कई वजहों से सोलह शृंगार नहीं कर पाती हैं। ऐसे में कम से कम कुछ चीजें जरूर पहन लेनी चाहिए। आइए जानते हैं वो कौन कौन से जरूरी शृंगार हैं।

■ जरूर पहनें हरे रंग के वस्त्र

सावन में हरे रंग के वस्त्र पहनाना बहुत शुभ माना जाता है। खासतौर से शिवजी के पूजन के दौरान तो हरे वस्त्र ही धारण करें। महिलाएं हरे रंग की साड़ी या सूट पहन सकती हैं। इसके अलावा लाल, पीला, गुलाबी और नारंगी जैसे रंग भी पहने जा सकते हैं। हालांकि ध्यान रहे कि काले, भूरे अथवा ग्रे रंग के कपड़े पहनने से सख्त परहेज करें।

■ सिंदूर और बिंदी जरूर लगाएं

हिंदू धर्म में एक सुहागिन महिला के लिए सबसे जरूरी सिंदूर होता है। आजकल कुछ महिलाएं डेली वियर में सिंदूर और बिंदी नहीं लगाती हैं। लेकिन सावन में शिवजी की पूजा करते समय, ये दोनों चीजें जरूर लगाएं। सिंदूर अखंड सौभाग्य का प्रतीक होता है इसलिए इसे मांग में सजाकर ही भोलेनाथ से अपने पति की दीर्घायु के लिए प्रार्थना करें।

■ पायल और बिछिया पहनें

पायल और बिछिया भी सुहाग की निशानी माने जाते हैं, इसलिए इन्हें भी सावन के महीने में जरूर पहनना चाहिए। ऑफिस जाती हैं तो बिना घुंघरू वाली पतली सी पायल वियर कर सकती हैं। इससे आवाज भी नहीं होगी और ये देखने में भी क्लासी लगेंगी। इसके साथ ही पतले नग वाले बिछिया भी, देखने में सुंदर लगेंगे।

■ मंगलसूत्र जरूर पहन लें

गले में हार पहनकर सजना तो पॉसिबल नहीं है और ना ही प्रैक्टिकल है। इसलिए कम से कम गले में एक मंगलसूत्र तो जरूर डाल लें। खासतौर से शिवजी का पूजन करने जा रही हैं, तो मंगलसूत्र पहनना ना भूलें। हो सके तो पति के हाथ से ही मंगलसूत्र पहनें। मान्यता है कि इससे आपसी रिश्तों में मिठास बनी रहती है।

■ हाथों में पहनें हरी-हरी चूड़ियां

सावन का महीना शुरू होते ही हाथों में हरी चूड़ियां जरूर पहननी चाहिए। इन्हें सुहाग की निशानी माना जाता है और कहते हैं कि शिवजी और मां गौरा भी इससे खूब प्रसन्न होते हैं। आप हरी चूड़ियों के साथ लाल, गुलाबी और पीली चूड़ियां मिलाकर सेट बना सकती हैं। इनके साथ सोने के कड़े भी बेहद सुंदर लगते हैं।

■ हाथों में मेंहदी लगाना ना भूलें

सावन के महीने में हाथों पर मेंहदी लगाना बेहद शुभ माना जाता है। ज्यादा बार मेंहदी नहीं लगा सकती हैं, तो पूरे सावन में कम से कम एक बार तो आपको मेहंदी जरूर लगानी चाहिए। कोई डिजाइन ना बना पाती हों, तो सिंपल गोल चंदा बनाकर लगा सकती हैं। शिवजी की पूजा से पहले हाथों को रचाना बेहद शुभ होता है।

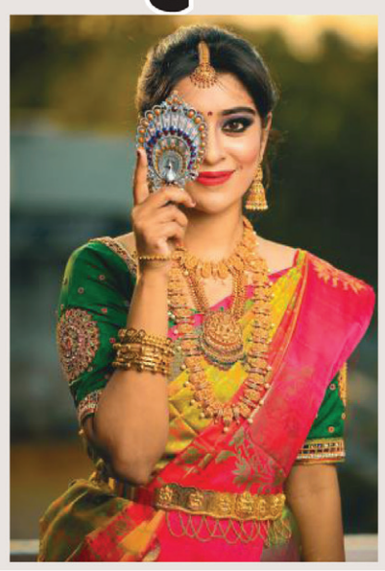

याद्दाश्त बढ़ाने के लिए रोजाना पिएं दूध

ऐसे करें डाइट में शामिल

आपको बता दें कि दूध हमारे दिमाग के लिए भी बेहद फायदेमंद है। चूंकि दूध को कंपलीट फूड भी कहा जाता है, इसलिए हर साल वर्ल्ड मिल्क डे मनाया जाता है। दूध हमारी रोजाना की डाइट का जरूरी हिस्सा है। इसमें कई सारे न्यूट्रिएंट्स पाए जाते हैं, जो हमारे शरीर के विकास के लिए बेहद जरूरी हैं। रोजाना एक गिलास दूध पीने से न सिर्फ आपको कैल्शियम की सही मात्रा मिलती है,बल्कि प्रोटीन, पोटाशियम, आयोडिन और पैंटोथेनिक एसिड पाया जाता है।दूध हमारी हड्डियों के साथ-साथ दांत के लिए भी बेहद फायदेमंद है।लेकिन आपको बता दें कि दूध हमारे दिमाग के लिए भी बेहद फायदेमंद है। चूंकि दूध को कंपलीट फूड भी कहा जाता है, आइए जानते हैं कि दूध हमारे दिमाग को कैसे फायदा करता है।

याद रखने की क्षमता बढ़ना

दूध में मौजूद पोषक तत्व, विशेष रूप से विटामिन बी दिमाग के लिए बेहद जरूरी हैं। न्यूट्रिएंट्स याददाश्त और सीखने की क्षमता को बढ़ाते हैं। विटामिन बी ब्रेन सेल्स को हेल्दी बनाए रखने में मदद करता है और मेमोरी फॉर्मेशन के लिए न्यूरोट्रांसमीटर का उत्पादन करने में मदद करता है।

बच्चों के मस्तिष्क कार्य में विकास

बचपन और किशोरावस्था के दौरान दूध का सेवन बेहतर कॉग्निटिव डेवलपमेंट से जुड़ा होता है। दूध में कैल्शियम, फॉस्फोरस, विटामिन डी और बी12 युवा लोगों के दिमाग के विकास में सहायक होता है।

कंस्ट्रेशन बढ़ाने में मदद करे

दूध में प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट और दूसरे पोषक तत्वों का संयोजन दिमाग को निरंतर ऊर्जा देता रहता है, जिससे निरंतर एकाग्रता और फोकस बढ़ता है। ब्रेकफास्ट या दोपहर के दौरान सही मात्रा में रोजाना दूध पीने से परफॉर्मेंस के साथ-साथ प्रोडक्टिविटी में सुधार होता है।

डाइट में कैसे करें शामिल?

अपने दिन की शुरुआत एक गिलास दूध के साथ करें। अगर आप अपने कैलोरी सेवन पर ध्यान दे रहे हैं तो कम फैट या बिना फैट वाले दूध को पिएं। डेयरी उत्पाद पसंद करते हैं, तो अपनी डाइट में दही और पनीर को शामिल करें। इससे भी आपके मस्तिष्क विकास को फायदा मिलता है। गर्मियों के सीजन में आप दूध को स्मूदी ड्रिंक के तौर पर भी पी सकते हैं।

पिस्ता खाने से क्या होता है? जानिए फायदे

पिस्ता खाना कई लोगों की खास पसंद में शामिल होता है। मिठाइयों की शोभा बढ़ाने वाला सूखा मेवा पिस्ता स्वाद में बेमिसाल है। आइए यहां जानते हैं इसके फायदों के बारे में.....

1. पिस्ता खाने से हृदय संबधित बीमारियां नहीं होती हैं, क्योंकि पिस्ते में फेटी एसिड पाया जाता है, जो हृदय को स्वस्थ रखने में मदद करता है।
2. चटख हरे रंग का आकर्षण पिस्ता, फाइबर, प्रोटीन, विटामिन सी, जिंक, कॉपर, पोटैशियम, आयरन, कैल्शियम और कई तरह पोषक तत्वों से भरपूर है। न केवल आपको सेहतमंद बनाए रखता है बल्कि कई बीमारियों को आपसे दूर रखता है।
3. धूप के दुष्प्रभाव से बचने के लिए भी पिस्ता का प्रयोग काफी मददगार होता है। इसे चारोली के साथ दूध में पीसकर पेस्ट तैयार करें और पैक की तरह लगाएं। नियमित ऐसा करने से त्वचा का रंग हल्का होने लगेगा।
4. बालों को झड़ने से बचाने के लिए पिस्ता लाभकारी है। आप चाहें तो इसे अपनी डाइट में शामिल कर लें, या फिर इसका पेस्ट बनाकर मास्क की तरह बालों में लगाएं।
5. पिस्ता में भरपूर मात्रा में एंटी-ऑक्सीडेंट्स होते हैं, जो आपको जवां बनाए रखने के साथ ही आंखों की सेहत के लिए फायदेमंद होते हैं। यह त्वचा में पड़ने वाली झुर्रियों की गति को धीमा करते हैं।

6. पिस्ता में अत्यधिक मात्रा में फाइबर होता है, जो कि किसी भी व्यक्ति को लंबे समय तक भरे पेट रखने के लिए काफी होता है इसलिए इसके सेवन से वजन को नियंत्रण में रखा जा सकता है।
7. पिस्ता में मौजूद जरूरी फैटी एसिड्स आपकी त्वचा में स्निग्धता बनाए रखने में मददगार साबित होते हैं, जिससे नैचुरल दमक बरकरार रहती है। इसके अलावा शरीर के अंगों में भी स्निग्धता के लिए यह फायदेमंद है।

फलों को खाने में ये गलतियां जरूर करते हैं ज्यादातर लोग

आज ही दोहराना करें बंद

ज्यादातर लोगों को लगता है कि वे फल खाकर खुद को हेल्दी बना रहे हैं, लेकिन इस दौरान वे कई ऐसी गलतियां दोहराते हैं,जो फायदे के बजाय नुकसान पहुंचाती हैं। इस आर्टिकल में हम आपको इन्हीं में से कुछ गलतियों के बारे में बताने जा रहे हैं। पोषक तत्वों से भरपूर फलों को खाने से हम बैलेंस डाइट का रूटीन फॉलो कर पाते हैं। गर्मियों में तरबूज, खरबूजा या दूसरे सीजनल फ्रूट्स से न्यूट्रिएंट्स तो मिलते हैं साथ ही शरीर में पानी की कमी भी नहीं होती। इसी कारण फलों को डाइट का एक जरूरी हिस्सा माना जाता है, लेकिन क्या आप जानते हैं कि गलत तरीके से फ्रूट्स को खाने से शरीर को नुकसान भी झेलने पड़ सकते हैं। ज्यादातर लोगों को लगता है कि वे फल खाकर खुद को हेल्दी बना रहे हैं, लेकिन इस दौरान वे कई ऐसी गलतियां दोहराते हैं जो फायदे के बजाय नुकसान पहुंचाती हैं। इस में हम आपको इन्हीं में से कुछ गलतियों के बारे में बताने जा रहे हैं।

मिल्कशेक

डाइट एक्सपर्ट नेहा रंगलानी ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक वीडियो में फलों को खाने के गलत तरीकों का जिक्र किया है। एक्सपर्ट कहती हैं कि दूध में फ्रूट्स को मिलाकर खाना सेहत को नुकसान पहुंचा सकता है। दरअसल, दूध और फ्रूट दोनों के न्यूट्रिएंट कंपोजिशन अलग होते हैं और इसी कारण इन्हें पचाए जाने का प्रोसेस भी अलग होता है। जहां फ्रूट्स जल्दी पच जाते हैं वहीं दूध को पचाने में समय लगता है। इससे पेट का स्वास्थ्य बिगड़ता है और ऐसे में ब्लोटिंग, एसिडिटी या दूसरी पेट संबंधित समस्याएं हो सकती हैं।

फ्रूट्स को मीठे की तरह खाना

भारत में आज भी लोग खाने के बाद आम को मीठे के तौर पर खाते हैं। एक्सपर्ट नेहा कहती हैं कि ये हेल्दी हैबिट नहीं है। दरअसल, रात में खाने के बाद फल को खाने से शुगर बढ़ जाती है और ये फैट में तब्दील हो सकता है। एक्सपर्ट ने इस तरह आम खाने वालों को सतर्क किया है।

लेट नाइट स्नैक की तरह

रात में हमारे शरीर को आराम करता है लेकिन फलों में मौजूद शुगर माइंड में एनर्जी को ट्रिगर कर सकती है। इस कारण आपके नींद का सिस्टम बिगड़ सकता है।

जूस की तरह सेवन

भारत में जूस को एक हेल्दी ड्रिंक माना जाता है जबकि ऐसा नहीं है। फल और फलों का जूस दोनों अलग चीज हैं। जहां फलों में न्यूट्रिएंट्स और फाइबर होते हैं वहीं जूस में फाइबर की कमी हो जाती है। फाइबर के बिना फ्रूट नुकसान पहुंचाता है। इसका ग्लूकोज हमारे खून में मिलता है और जिससे लीवर की हेल्थ बिगड़ सकती है।

5 इको फ्रेंडली आइडीयाज से सजाएं अपना ड्रीम होम

हर साल लोगों में पर्यावरण के प्रति जागरुकता फैलाने की कोशिश की जाती है। साल 2023 के लिए विश्व पर्यावरण दिवस की थीम बीट प्लास्टिक पॉल्यूशन रखी गई है। घरों, बिल्डिंग्स जैसे निर्माण, पेड़ों की कटाई और दूसरे तरीकों से पर्यावरण को बड़ा नुकसान हो रहा है। पर्यावरण को बचाने में आप कई तरीकों से मदद कर सकते हैं। क्या आप जानते हैं कि आप ईको फ्रेंडली तरीके से भी अपने घर को सजा सकते हैं। यहां हम आपको 6 ऐसे ईको फ्रेंडली होम डेकोर आइडीयाज के बारे में बताने जा रहे हैं जो बेस्ट है और घर को अट्रैक्टिव भी बनाते हैं।

☛ एलईडी लाइट्स

बीते कुछ समय में घर, ऑफिस या दूसरी जगहों पर एलईडी लाइट्स का चलन काफी बढ़ा है। कम एनर्जी में लंबे समय तक चलने वाली एलईडी लाइट्स की मार्केट में कई वैरायटी मौजूद है।

☛ अपसाइकल्ड फर्नीचर

अगर आप नया फर्नीचर लाने का प्लान बना रहे हैं,तो ऐसा इसके लिए अपसाइकिल्ड फर्नीचर को चुनें। ये विंटेज होते हैं जो जगह भी कम घेरते हैं। ये तरीका पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने वाले वेस्ट को भी कम करता है।

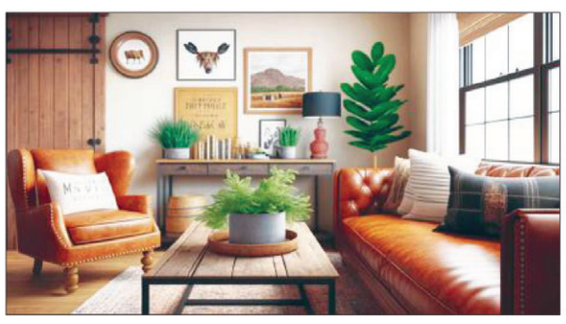

☛ नेचुरल फैब्रिक्स

ऑर्गेनिक कॉटन, हेंप, लिनन और बांस से बनने वाले होम टेक्सटाइल को चुनें। ये फेब्रिक नुकसान पहुंचाने वाले केमिकल्स से फ्री होते हैं और इन्हें बनाने में पर्यावरण को खासा नुकसान भी नहीं होता।

☛ इंडोर प्लांट्स

पर्यावरण को बचाने में पेड़ अहम रोल निभाते हैं। लोगों से अपील की जाती है कि वे ज्यादा से ज्यादा पेड़ लगाएं।
घर में रखे जाने वाले प्लांट्स अट्रैक्टिव लगते हैं और इनसे पर्यावरण को बचाने में मदद भी मिलती है।

☛ सोलर एनर्जी

घर के बाहर सोलर लाइट्स लगाएं,क्योंकि इनसे आप सूरज की रोशनी का बेहतर इस्तेमाल कर पाते हैं। नॉर्मल बिजली को बनाने में कई सोर्स का इस्तेमाल होता जिनमें पर्यावरण को नुकसान भी पहुंचता है। इसकी जगह सोलर एनर्जी को चुनें।

लौकी का चीला

खाना-खजाना

लौकी एक बहुत ही पौष्टिक सब्जी है। इसके फायदे के बारे में हम सब जानते हैं। बावजूद इसके कई ऐसे लोग हैं,जो लौकी खाना पसंद नहीं करते हैं। जो लोग लौकी की सब्जी खाना नहीं पसंद करते हैं, उन लोगों को लौकी का चीला ट्राई करना चाहिए। नाश्ते के लिए ये एक बहुत ही बेहतरीन विकल्प है। यह स्वाद से भरपूर होता है और इसे बनाना भी काफी आसान है। फाइबर रिच लौकी का चीला डाइजेशन के लिहाज से भी बढ़िया है। तो चलिए जानते हैं लौकी का चीला बनाने की रेसिपी।

चीला बनाने की सामग्री

लौकी कद्दूकस किया हुआ 1
बेसन 4 टेबलस्पून
दही 2 टेबलस्पून
सूजी 2 टेबलस्पून
हरी मिर्च बारीक कटी हुई दो
हरा धनिया बारीक कटा हुआ एक टेबलस्पून
चाट मसाला एक टेबल स्पून
नमक स्वाद अनुसार
तेल तलने के लिए

बनाने की विधि

चीला बनाने के लिए सबसे पहले लौकी को छीन ले और फिर छिलने की मदद से इसे कद्दूकस कर लीजिए। इसके बाद कद्दूकस लौकी को हाथों से दबाकर निचोड़ लें और इसमें से पानी निकाल लें। इसके बाद कद्दूकस लौकी को एक बर्तन में अलग रख दें। अब एक बड़ा कटोरा लें और उसमें सूजी बेसन डालकर अच्छी तरह से मिलाएं। कद्दूकस लौकी को डालकर मिक्स कर दें। अब इस मिश्रण में दही, हरी मिर्च, हरा धनिया और स्वादानुसार नमक और चाट मसाला डालकर मिक्स करें। पानी डालते जाएं और चीले के लिए बैटर तैयार कर लें। बैटर बनने के बाद कुछ देर के लिए इसे सेटल होने के लिए ढककर रख दें। अब एक नॉन स्टिक तवा लेकर उसे गर्म करें। तवे पर थोड़ा सा तेल डालकर फैलाएं, जब तवा गर्म हो जाए तो एक कटोरी में चीले का घोल लेकर तवे के बीच में डाले और कटोरी के पिछले हिस्से से गोल गोल करते हुए चीला बनाए। अब थोड़ी देर में चीला के किनारे पर थोड़ा सा तेल डाले और कुछ देर के बाद से पलट दें। चीला गोल्डन ब्राउन ना हो जाए इसे ना निकाल। इस तरह सारा लौकी का चीला तैयार कर लें। इसे आप टमाटर सॉस के साथ खा सकते हैं।

खाली पेट गन्ने का जूस पीने से मिलेंगे कई फायदे

जरूरी पोषक तत्वों से भरपूर ये हेल्दी ड्रिंक कई मायनों में हमारी हेल्थ के लिए फायदेमंद मानी जाती है। आइए जानते हैं कि आखिर खाली पेट गन्ने के जूस को पीना कैसे फायदेमंद साबित हो सकता है गन्ने के जूस के हमारी हेल्थ को कई सारे बेनेफिट्स हैं। गर्मियों के मौसम में लोग गन्ने के जूस को खूब पीते हैं। अब हेल्थ एक्सपर्ट्स ने खाली पेट गन्ने का जूस पीने का फायदों के बारे में बताया है। आपको बता दें कि गन्ने का जूस सदियों से आयुर्वेद जैसी पारंपरिक भारतीय चिकित्सा पद्धति का एक हिस्सा है।जरूरू पोषक तत्वों से भरपूर ये हेल्दी ड्रिंक कई मायनों में हमारी हेल्थ के लिए फायदेमंद मानी जाती है। आइए जानते हैं कि आखिर खाली पेट गन्ने के जूस को पीना कैसे फायदेमंद साबित हो सकता है।

एनर्जी बूस्ट

गन्ने का रस एक नैचुरल एनर्जी ड्रिंक है। खाली पेट गन्ने के जूस को पीने से आपका शरीर इस ऊर्जा को ज्यादा कुशलता से अवशोषित कर सकता है। इससे आपके दिन की हेल्दी तरीके से शुरूआत होगी।

हाइड्रेशन रखता है

गर्मियां आते ही शरीर को हाइड्रेटेड रहना महत्वपूर्ण हो जाता है। गन्ने का रस बॉडी की हाइड्रेशन को बनाए रखने में काफी फायदेमंद है। यह पानी की मात्रा को पूरा करता है। गन्ने का रस डिहाइड्रेशन से शरीर को बचाता है। इसके अलावा, गन्ने का रक हमारे शरीर के टॉक्सिंस निकालने का काम भी करता है।

पोषक तत्वों से भरपूर

गन्ने का रस आवश्यक पोषक तत्वों से भरा होता है। इसमें विटामिन (जैसे ए, बी-कॉम्प्लेक्स और सी), मिनरल्स (जैसे कैल्शियम, मैग्नीशियम और पोटेशियम) और एंटीऑक्सिडेंट पाए जाते हैं। ये पोषक तत्व इम्यूनिटी बढ़ाने,हड्डियों और दांतों को मजबूत करने और पाचन में सुधार करने में मदद करते हैं।

डाइजेस्टिव हेल्थ

गन्ने के रस में प्राकृतिक लैक्सेटिव गुण होते हैं, जो स्वस्थ पाचन तंत्र को बनाए रखने में मदद कर सकते हैं। यह कब्ज को रोकने में मदद करता है। खाली पेट इसका सेवन करने से पाचन संबंधी समस्याएं दूर होती हैं।

स्किन के लिए फायदेमंद

गन्ने के रस में मौजूद विटामिन और एंटीऑक्सीडेंट स्किन को हेल्दी बनाते हैं। इसको नियमित पीने से त्वचा की समस्याओं जैसे मुंहासे और दाग-धब्बों से निपटने में मदद मिल सकती है। यह ऑक्सीडेटिव तनाव को कम करने में भी सहायता करता है, जो समय से पहले बुढ़ापा आने का कारण बनता है।

संक्षिप्त समाचार

घर के कुएं में मिला युवक का शव, जांच में जुटी पुलिस

बिर्रा (समय दर्शन)। जांजगीर-चांपा जिला अंतर्गत बिर्रा थाना क्षेत्र के करही गांव में उस वक्त सनसनी फैल गई जब एक युवक का शव उसके ही घर के कुंए में संदिग्ध हालत में तैरता मिला। मृतक की पहचान संतोष यादव के रूप में हुई है, जो पिछले दो दिनों से लापता था। परिजनों के अनुसार संतोष शुक्रवार शाम से ही घर से लापता था। काफी खोजबीन के बावजूद जब उसका कुछ पता नहीं चला तो थाने में सूचना दी गई थी। रविवार की सुबह जब परिजन रोज की तरह कुंए के पास पहुंचे, तो उन्हें पानी की सतह पर कुछ तैरता हुआ दिखाई दिया। जब पास जाकर देखा गया तो वो संतोष यादव का शव था। यह देखकर परिजन और ग्रामीण स्तब्ध रह गए। सूचना मिलते ही गांव में हड़कंप मच गया। सूचना पर बिर्रा थाना पुलिस मौके पर पहुंची। शव को बाहर निकलवाया गया और पंचनामा कार्रवाई कर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। फिलहाल पुलिस ने मामला दर्ज कर मौत के कारणों की जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार मृतक की मौत आत्महत्या है या फिर कुंए में गिरने से हुई दुर्घटना - यह फिलहाल स्पष्ट नहीं है।

खाद्य सामग्री में मिलावट को रोकने की गई खाद्य दुकानों की जांच

मुंगेली(समय दर्शन)जिले में खाद्य सामाग्रियों में मिलावट रोकने एवं नकली खाद्य सामग्रियों के रोकथाम के लिए खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग द्वारा खाद्य दुकानों की जांच की गई। खाद्य सुरक्षा अधिकारी श्रीमती पुष्पा खाखा एवं अजीत बघेल ने बताया कि मुंगेली एवं लोरमी विकासखण्ड के विभिन्न खाद्य दुकानों का औचक निरीक्षण कर वैष्णव मिष्ठान भण्डार मुंगेली, जायसवाल खोवा भण्डार फास्टरपुर, विहान स्वीट्स एण्ड डेयरी लोरमी एवं सौर्य डेयरी झाफल लोरमी का औचक निरीक्षण किया गया और खाद्य सामग्री की गुणवत्ता जांच हेतु लूज पनीर, लूज पेड़ा एवं लूज खोवा का सेंपल लिया गया है। उक्त खाद्य सामग्री को जांच हेतु राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला रायपुर में प्रेषित किया जायेगा तथा गुणवत्ता जांच में अमानक घोषित किये जाने पर निर्माता फर्म आदि पर खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 के अंतर्गत कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने बताया कि जिले में रक्षाबंधन त्यौहार को देखते हुए नकली व मिलावटी खाद्य सामाग्रियों के रोकथाम के लिये विभाग द्वारा आगे सतत् जांच जारी रहेगी और अनियमितताएं पाये जाने पर कार्यवाही की जायेगी।

नकली, मिलावटी कास्मेटिक व नारकोटिक दवाओं को रोकने की गई दुकानों व मेडिकल स्टोर्स की जांच

मुंगेली(समय दर्शन)जिले में नकली व मिलावटी कास्मेटिक एवं नारकोटिक दवाओं के रोकथाम के लिए खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग द्वारा विभिन्न कास्मेटिक दुकानों व मेडिकल स्टोर्स की जांच की गई। औषधि निरीक्षक महेन्द्र देवांगन, रत्नेश बरगाह व श्रीमति किरण सिंह की संयुक्त टीम द्वारा मुंगेली विकासखण्ड स्थित राजा मनिहारी, आशा कास्मेटिक्स तथा प्रकाश मेडिकल स्टोर्स का औचक निरीक्षण किया गया। इस दौरान मेडिकल स्टोर्स मे नारकोटिक दवाओं के क्रय-विक्रय रिकार्ड की जांच की गयी। कास्मेटिक व औषधिओं की गुणवत्ता जांच हेतु एक कास्मेटिक व एक औषधि का सेंपल लिया गया, जिसे जांच हेतु राज्य औषधि एवं प्रसाधन परीक्षण प्रयोगशाला रायपुर में प्रेषित किया जायेगा तथा गुणवत्ता जांच में अमानक घोषित किये जाने पर निर्माता कंपनी आदि पर विधिनुसार कार्यवाही की जावेगी। औषधि निरीक्षक ने बताया कि पूरे जिले में नकली व मिलावटी कास्मेटिक व नारकोटिक दवाओं के रोकथाम के लिये विभाग द्वारा आगे सतत् जांच जारी रखी जायेगी और अनियमिततांए पाये जाने पर कार्यवाही की जायेगी।

नेशनल हाईवे जाम कर कांग्रेस ने जताया विरोध

प्रदेश सरकार की तानाशाही नीति के खिलाफकांग्रेस का आक्रोश

मुंगेली में चक्का जाम आंदोलन रहा प्रभावी

मुंगेली(समय दर्शन) छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के आव्हान पर सोमवार को प्रदेशभर में आर्थिक नाकेबंदी चक्का जाम आंदोलन का व्यापक असर देखने को मिला। इसी क्रम में मुंगेली जिले में भी कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने बिलासपुर-जबलपुर राष्ट्रीय राजमार्ग 130 को गीधा बायपास के समीप पूरी तरह से जाम कर विरोध प्रदर्शन किया।

प्रदर्शन के दौरान कांग्रेसियों ने प्रदेश सरकार और केंद्र की भाजपा सरकार के खिलाफजमकर नारेबाजी की। कार्यकर्ताओं ने काले कपड़े व काली पट्टियाँ धारण कर विरोध जताया। हालांकि इस दौरान एम्बुलेंस और स्कूल बसों को अवरोध से मुक्त रखा गया, जिससे आमजन को आवश्यक सेवाओं में बाधा न पहुँचे।

प्रदेश नेतृत्व के निर्देश पर चक्का जाम

जिलाध्यक्ष घनश्याम वर्मा ने बताया कि प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज के निर्देशानुसार यह आंदोलन राज्य सरकार की दमनकारी और अलोकतांत्रिक नीतियों के विरोध में आयोजित किया गया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेताओं एवं कार्यकर्ताओं के खिलाफ ईडी (प्रवर्तन निदेशालय) की कार्रवाई राजनीतिक प्रतिशोध से प्रेरित है।

अडानी को सौंप दी जा रही छत्तीसगढ़ की धरोहर वर्मा

वर्मा ने कहा कि प्रदेश सरकार अडानी समूह को छत्तीसगढ़ की प्राकृतिक संपदाओं और जनहित संसाधनों को सौंप रही है। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने जब इस मुद्दे पर आवाज उठाई और तमनार पहुंचे, तो उनके विरोध को दबाने के लिए ईडी की टीम सुबह-सुबह उनके घर भेज दी गई। यह दर्शाता है कि प्रदेश सरकार आलोचना से डरती है और सरकारी तंत्र का दुरुपयोग कर रही है।कांग्रेस का हर सिपाही संघर्ष को तैयार जिलाध्यक्ष ने कहा कि कांग्रेस का हर कार्यकर्ता इस तानाशाही और दमनकारी रवैये के खिलाफ संघर्ष के लिए तत्पर है। उन्होंने चेताया कि यदि यह सिलसिला नहीं रुका, तो आने वाले समय में आंदोलन और अधिक व्यापक होगा।शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुआ प्रदर्शन प्रदर्शन स्थल पर पर्याप्त पुलिस बल तैनात रहा, जिससे किसी भी प्रकार की अप्रिय स्थिति नहीं उत्पन्न हुई। प्रदर्शनकारी शांतिपूर्ण ढंग से अपना विरोध दर्ज कराकर सरकार को चेतावनी देते नजर आए कि यदि जनहित विरोधी नीतियाँ नहीं रोकी गईं,तो कांग्रेस और उग्र आंदोलन करेगी।

आंदोलन में शामिल प्रमुख नेता एवं कार्यकर्ता इस चक्का जाम आंदोलन में जिलाध्यक्ष घनश्याम वर्मा, चुरावन मंगेशकर, चंद्रभान बारमते, हेमेंद्र गोस्वामी, जागेश्वरी वर्मा, आत्मा सिंह क्षत्रिय,श्याम जायसवाल, शहर कांग्रेस अध्यक्ष स्वतंत्र मिश्रा, दिलीप बंजारा, संजय यादव, लोकराम साहू, नरेश पाटले, पुरुषोत्तम मार्को, राजा ठाकुर, राजेश छैदहिया, दीपक गुप्ता, अनिस मसीह, लक्की गर्ग, उर्मिला यादव, लता रानी वैष्णव, अरविंद वैष्णव, प्रकाश भार्गव, सोनू ठाकुर, कमलेश्वर जोशी, महेन्द्र यादव, मनिष त्रिपाठी, राजेन्द्र यादव, जलेश यादव, आयुष सिंह श्रीनेत, आरिफ खोखर, अजय यादव, दिलीप साहू, श्रवण साहू, विष्णु बघेल, तुलसी सोनवानी, याकूब मेमन, और फूल सिंह महिलांग सहित सैकड़ों की संख्या में कांग्रेसजन उपस्थित रहे।

विकासखंड स्तरीय नेहरू हॉकी प्रतियोगिता मे बेमचा की टीम बनीं विजेता

महासमुन्द (समय दर्शन)। महासमुंद मे विकासखण्ड स्तरीय नेहरू हॉकी प्रतियोगिता का आयोजन शासकीय उ. मा. विद्यालय बेमचा महासमुंद में 21 जुलाई को आयोजित किया गया। जिसमें बालिका वर्ग में महासमुंद की टीम को शासकीय उ मा विद्यालय बेमचा ने 4-0 से हराकर विजेता बनीं एवं बालक वर्ग में भी बेमचा विजेता बनीं एवं संभाग स्तरीय प्रतियोगिता के लिए क्वालीफाई कर लिया है। जिला हॉकी संघ अध्यक्ष राहुल चंद्राकर ने खिलाड़ियों को आगामी प्रतियोगिता में पदक जीतने शुभकामनाएं देते हुए जिला स्तर में विजेता बनने पर बधाई दीं। आयोजन को सफल बनाने में डॉ सेवन दास मानिकपुरी, ब्लॉक आयोजन प्रभारी हिरेंद्र साहू, डॉ. सुनील कुमार भोई, इंद्राणी भास्कर, कामता साहू, तृषा शर्मा, वेदराम, दुलामनी, इमरान अली, रामेश्वरी दीवान का सहयोग रहा। 5 अगस्त को अंतरराष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम रायपुर में संभाग स्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन होगा जिसमें महासमुंद जिले की टीम शामिल होगी। इससे पहले लगातार 3 सालों से बेमचा की टीम राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए क्वालीफाई करते आ रहीं हैं। खेल अधिकारी मनोज धृतलहरे ने बताया कि ग्रामीण क्षेत्र खेल अभ्यास योजना अंतर्गत हॉकी खेल को संचालित करने एवं हॉकी में खिलाड़ी तैयार करने के लिए खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा संसाधन उपलब्ध कराया गया है जिसके माध्यम से खेलों का नियमित अभ्यास एवं खेल प्रतियोगिता की तैयारी कराई जा रही हैं। जिससे बेमचा से 14 वर्ष में सागर सेन की राष्ट्रीय हॉकी प्रतियोगिता में भागीदारी रही। पिछले वर्षों की तरह इस वर्ष भी अच्छा प्रदर्शन कर राज्य एवं स्तरीय प्रतियोगिता में चयन होने एवं पदक जीतने के लिए जिला शिक्षा अधिकारी विजय कुमार लहरें, खेल अधिकारी मनोज धृतलहरे, सहायक क्रीड़ा अधिकारी अंजलि बरमाल, विकासखंड शिक्षा अधिकारी लीलाधर सिंहा, सहायक विकासखंड शिक्षा अधिकारी हिना ढालेन, प्राचार्य बेमचा एस. आर. पाटकर ने शुभकामनाएं दी।

विकासखंड स्तरीय प्रतियोगिता भोरिंग में संपन्न

महासमुंद (समय दर्शन)। विकासखण्ड स्तरीय कुश्ती प्रतियोगिता का आयोजन शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय भोरिंग में आयोजित किया गया । जहाँ उद्घाटन चा आगाज सरस्वती वंदना के साथ किया गया।

इस अवसर पर एल एन दीवान ने अपने उद्बोधन में अनुशासन में रहते हुए खिलाड़ी भावना के साथ खेलने के लिए प्रेरित किया। वरिष्ठ व्याख्याता जे एल साहू ने बच्चों को शुभाशीष देते हुए खिलाड़ी भावना से खेलने के लिए कहा एवं वरिष्ठ व्याख्याता यू. आर. साहू ने व्यायाम एवं खेलकूद से होने वाले शारीरिक फायदे के बारे में बताया। उद्घाटन मैच हायर सेकेंडरी स्कूल बेमचा एवं हायर सेकेंडरी स्कूल बेलसोंडा के मध्य हुआ। उक्त विकासखंड स्तरीय कुश्ती प्रतियोगिता में हायर सेकेंडरी स्कूल भोरिंग के छात्र, हायर सेकेंडरी स्कूल बेमचा के छात्र, हायर सेकेंडरी स्कूल बेलसोंडा की छात्राएं, डीएमएस महासमुंद, पब्लिक स्कूल तुमगांव, स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम तुमगांव, स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम महासमुंद के खिलाड़ियों ने प्रतियोगिता में भाग लिया। खेल को आगे बढ़ाने में जिला प्रशासन तथा खेल एवं युवा कल्याण महासमुंद द्वारा खेल संसाधन उपलब्ध कराया गया है जिसके माध्यम से खेलों को बढ़ावा दिया जा रहा हैं तथा कुश्ती प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। विजेता खिलाड़ियों को जिला शिक्षा अधिकारी विजय कुमार लहरें, खेल अधिकारी मनोज धृतलहरे, सहायक क्रीड़ा अधिकारी अंजलि बरमाल, विकासखंड शिक्षा अधिकारी लीलाधर सिंहा, सहायक विकासखंड शिक्षा अधिकारी हिना ढालेन, प्राचार्य बेमचा एस. आर. पाटकर ने शुभकामनाएं दी। विकासखंड स्तरीय कुश्ती प्रतियोगिता के सफल संचालन एवं आयोजन के संपादन में व्यायाम शिक्षक डॉ. सुनील कुमार भोई, डॉ. सेवन मानिकपुरी, इंद्राणी भास्कर, डोलेश होता का विशेष योगदान रहा। चयनित खिलाड़ी 2 अगस्त को बागबाहरा में आयोजित जिला स्तरीय कुश्ती प्रतियोगिता में शामिल होंगे।

रक्षाबंधन पर्व को ध्यान में रखते हुए जिले में खाद्य विभाग का निरीक्षण

खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता जांच हेतु खाद्य सुरक्षा अभियान चलाया गया

महासमुंद (समय दर्शन)। राज्य शासन के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग तथा खाद्य सुरक्षा आयुक्त के निर्देशानुसार आगामी पर्व रक्षाबंधन को दृष्टिगत रखते हुए 21 जुलाई को पूरे छत्तीसगढ़ राज्य में पनीर एवं खोवा की गुणवत्ता जांच हेतु विशेष अभियान संचालित किया गया। इसी क्रम में कलेक्टर विनय कुमार लंगेह एवं जिला अभिहीत अधिकारी सह अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) महामसुंद हरिशंकर पैकरा के मार्गदर्शन में खाद्य सुरक्षा अधिकारी शंखनाद भोई द्वारा जिले के बागबाहरा क्षेत्र अंतर्गत विभिन्न प्रतिष्ठानों से खाद्य नमूने संकलित किए गए।

जांच के तहत प्रतिष्ठानों से विधिक खाद्य नमूने लिए गए। जिसमें मेसर्स विश्वा फैमिली रेस्टोरेंट एण्ड ढाबा बागबाहरा से पनीर एवं पका चावल, मेसर्स छत्तीसगढ़ फैमिली ढाबा एण्ड रेस्टोरेंट बागबाहरा से पनीर, मेसर्स श्री हर्षद मिष्ठान भंडार, बागबाहरा से खोवा संकलित किया गया। ये सभी खाद्य नमूने राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला, कालीबाड़ी, रायपुर को परीक्षण हेतु भेजे गए हैं। जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के पश्चात खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम-2006 के तहत आवश्यक विधिक कार्रवाई की जाएगी।

उल्लेखनीय है कि विगत माह में भी कलेक्टर के निर्देशानुसार जिले में अभियान चलाकर 05 पनीर के खाद्य नमूने संकलित कर राज्य प्रयोगशाला को भेजे गए थे।

-ठेकेदारी कार्य में लापरवाही नहीं चलेगी, केवल सक्रिय ठेकेदार को मिलेगा काम

मेयर द्वारा गुरुवार से प्रत्येक दिन सुबह 7 बजे वार्ड निरीक्षण, समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश

दुर्ग/नगर निगम द्वारा शहर के प्रत्येक वार्ड का प्रतिदिन सुबह 7 बजे निरीक्षण किया जाएगा। इस निरीक्षण में सभी विभागों के अधिकारी उपस्थित रहेंगे। निरीक्षण के दौरान प्राप्त शिकायत एवं छोटी छोटी समस्याओं का निराकरण सात दिनों के भीतर सुनिश्चित करने के निर्देश महापौर अलका बाघमार ने आज अपने चेबर मे अधिकारियों के साथ बैठक लेकर दिए गए कार्यों की समीक्षा कर आगे कहा कि वार्डों में चल रहे सभी कार्यों को शीघ्रता से पूर्ण किया जाए। समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए उनका त्वरित समाधान प्राथमिकता पर किया जाए।

इसके अतिरिक्त, दुकानदारों द्वारा टैक्स न चुकाने की स्थिति में उनके विरुद्ध कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं। गुरुवार से इंजीनियर के साथ एक सफाई अधिकारी एवं टैक्स अधिकारी संयुक्त रूप से कार्य करेंगे।

ठेकेदारी कार्यों को लेकर भी स्पष्ट निर्देश दिए गए कि केवल काम करने वाले और सक्रिय ठेकेदारों को ही कार्य सौंपा जाए, ताकि सफाई व्यवस्था एवं अन्य नगर सेवाएं बेहतर ढंग से संचालित हो सकें।इस दौरान एमआईसी सदस्य देव नारायण चंद्राकर, ज्ञानेश्वर ताम्रकार, नीलेश अग्रवाल, कार्यपालन अभियंता दिनेश नेताम, कार्यपालन अभियंता आर के जैन, संजय ठाकुर, हरिशंकर साहू,विनोद मांझी, सुरेश केवलानी, आर के बोरकर सहित अधिकारी/कर्मचारी मौजूद रहे, जन संपर्क /राजू बक्शी

दुर्ग जिले में कांग्रेस की आर्थिक नाकेबंदी चक्का जाम पूर्णतया सफल,2 घंटे के चक्का जाम ने जनता ने भी दिया पूर्ण सहयोग

दुर्ग (समय दर्शन)। केन्द्रीय जांच एजेन्सी प्रवर्तन निदेशालय (ई.डी.) द्वारा केन्द्र व राज्य की भाजपा सरकार के दबाव में कांग्रेस पार्टी के नेताओं एवं उनके परिजनों और कार्यकर्ताओं पर की जा रही द्वेषपूर्ण कार्यवाही के विरोध में छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देश में जिला ग्रामीण कांग्रेस अध्यक्ष राकेश ठाकुर के

नेतृत्व में दुर्ग जिले चार स्थानों सिरसा गेट भिलाई 3, सेलूद चौक पाटन, जामुल एसीसी बोगदा, बेमेतरा रोड महामाया गेट धमधा में 2 घंटे की आर्थिक नाकेबंदी और चक्का जाम किया गया जो पूर्णतया सफल रहा और साथ ही जिले के प्रभारी गिरीश देवांगन की अगुवाई में जिले वरिष्ठ नेता पूर्व गृह मंत्री ताम्रध्वज साहू , पूर्व विधायक अरुण वोरा , प्रदेश महामंत्री राजेंद्र साहू, जितेंद्र साहू , भिलाई जिला अध्यक्ष मुकेश चंद्राकर ,महापौर शशि सिन्हा , पूर्व महापौर आर एन वर्मा, धीरज बाकलीवाल बंटी हरमुख की विशेष उपस्थिति में मिनीमाता चौक पुलगांव दुर्ग और नेहरू नगर भिलाई 2 घंटे का पूर्णतया आर्थिक नाकेबंदी और चक्काजाम रहा। पूर्व सूचना जानकारी रहने के कारण जनता का भी पूर्ण सहयोग रहा । सभी जगह कांग्रेसी 2 घंटे हाइवे और स्टेट रोड में बैठे रहे और मोदी सरकार , सायं सरकार के खिलाफ अडानी के खिलाफ जमकर नारेबाजी की गई ।

जिला अध्यक्ष राकेश ठाकुर ने कहा कि जिस दिन विधानसभा में भूपेश बघेल जी और कांग्रेसी विधायक अदानी के सरगुजा कोरबा के बाद रायगढ़ जिले के तमनार में आदिवासियों को डरा धमकाकर हजारों की तादाद में अडानी द्वारा पेड़ काटने के और अडानी के कॉल ब्लॉक आवंटन के मुद्दे को विधानसभा में उठाने वाले थे उसी दिन और भूपेश बघेल के सुपुत्र चैतन्य बघेल के जन्मदिन के दिन सुबह उनको पूछताछ करना और गिरफ्तार करना।अदानी और मोदी अमित शाह के दबाव में ईडी द्वारा की गई कार्यवाही है । सुप्रीम कोट ने भी फटकार लगाकर नेताओं को पकड़ने के अलावा भी दूसरे काम करे , छत्तीसगढ़ में रिमोट वाली सरकार है जो सिर्फ मोदी के इशारे में अडानी को छत्तीसगढ़ की सभी खनिज संपदा , कोल ब्लॉक, बिजली सब दें चाहती है , जैसे मध्य प्रदेश में अभी केवल 1200 करोड़ में 35 साल के ट्रांसमिशन के पूरे अधिकार दे दिए गए । ऐसे ही छत्तीसगढ़ को अडानी के हाथ सौंपने की तैयारी है । जो नेता अडानी का विरोध करता है उसके यहां ईडी सीबीआई के छापे पड़ते है उन्हें जेल भेज देते है । लेकिन भूपेश बघेल जी को भाजपा और मोदी सरकार डिगा नहीं पाई । आज का प्रदर्शन सरकारी एजेंसियों का दुरुपयोग और अडानी द्वारा छत्तीसगढ़ के जल जमीन अडानी अपने कब्जे में लेना चाहता ही । जिसको कांग्रेस कभी भी पूरा होने नहीं देगी । उन्होंने बताया कि आज के प्रदर्शन में जिले के चार स्थानों में चक्का जाम में हजारी कांग्रेसी बारिश में डटे रहे और अडानी और उनके सहयोगी मोदी और शाह के खिलाफ जमकर नारेबाजी की गई ।

जिला कांग्रेस अध्यक्ष राकेश ठाकुर ने बताया कि आज की आर्थिक नाकेबंदी और चक्काजाम में दुर्ग जिले मेंभिलाई 3 में निर्मल कोसरे, कृष्णा चंद्राकर, सुजीत बघेल, हरीश ठाकुर, अंशु रजक, धर्मेंद्र साहू, महेंद्र साहू, मनोज मढ़रिया, प्रमोद राजपूत, राजेश्वर सोनकर, ललित सिन्हा, जामुल में प्रकाश ठाकुर, करिम खान , मन्नू यादव, कमलेश साहू, विक्रांत अग्रवाल, हिरा वर्मा, ओनी महिलांग, कैलाश नाहटा, धमधा में राजीव गुप्ता, शमशेर कुरैशी, शिवकुमार वर्मा, दानेश्वर साहू, दुर्ग ग्रामीण में प्रदीप चंद्राकर शशि सिन्हा, बंटी हरमुख, रिवेंद्र यादव, राकेश हिरवानी, सेलूद पाटन में आशीष वर्मा, अश्वनी साहू, जवाहर वर्मा, जयश्री वर्मा , महेंद्र वर्मा, राजेश ठाकुर, देवेंद्र चंद्रवंशी, अशोक साहू, कमलेश नेताम, रूपेंद्र शुक्ला, आंनद बघेल, भेष आठे, बबलू मारकण्डे, आभाष दुबे, पुरषोत्तम तिवारी, किरण चंद्राकर , लोचन यादव, गोपाल देवांगन, नीरज सोनी, प्रणय टिकरिहा सहित सैकड़ों कांग्रेसियों की उपस्थिति में सफल विरोध प्रदर्शन रहा ।

खबर-खास

आबकारी विभाग दुर्ग की अवैध शराब निर्माण, विक्रय एवं धारण पर बड़ी कार्यवाही

दुर्ग। कलेक्टर अभिजीत सिंह के निर्देश तथा प्रभारी सहायक आयुक्त आबकारी सीआर. साहू के मार्गदर्शन में आबकारी अमला द्वारा 21 जुलाई गश्त के दौरान अवैध शराब के निमार्ण, विक्रय एवं धारण की सूचना प्राप्त होने पर त्वरित एवं विधिवत् कार्यवाही कर ग्राम घटियाखुर्द थाना नंदिनी नगर जिला दुर्ग में आरोपी अनिकेत पारधी एवं अज्ञात के कब्जे से 75 लीटर कच्ची मदिरा गुड़ निर्मित, जिसका बाजार मूल्य 11250 रूपये है एवं 900 किलेग्राम गुड निर्मित पाश, जिसका बाजार मूल्य 45000 रूपये है तथा भारी मात्रा में मदिरा निर्माण सामाग्री गैस, चूल्हा, डेचकी आदि जप्त किया गया। जिसका बाजार मूल्य लगभग 10,000 रूपये है। इस प्रकार जप्त मदिरा एवं सामग्रियों का कुल बाजार मूल्य लगभग 66250 रूपये है। उक्त प्रकरण में आरोपियों के विरूद्ध आबकारी अधिनियम की धारा 34(2), 34(1)(क), (च), एवं 59(क) के तहत प्रकरण दर्ज कर 01 आरोपी को जेल दाखिला किया गया। उक्त प्रकरण में आबकारी विभाग दुर्ग के आबकारी उप निरीक्षक भूपेन्द्र नेताम, आबकारी उप निरीक्षक प्रियंक ठाकुर, सहायक जिला आबकारी अधिकारी पंकज कुजूर, आबकारी उप निरीक्षक हरिश पटेल, आबकारी उप निरीक्षक गीतांजलि तारम, आबकारी उप निरीक्षक अनामिका टोप्पो, आबकारी उप निरीक्षक भोजराम रत्नाकर, आबकारी उप निरीक्षक कीर्ति ठाकुर एवं हेड कांस्टेबल संतोष दुबे, हेड कांस्टेबल लक्ष्मीनारायण भरथरी तथा आबकारी आरक्षक खुलदीप यादव, आबकारी आरक्षक संदीप तिर्की, आबकारी आरक्षक चितेश्वरी ध्रुव एवं ड्राइवर नोहर, दुर्गा, धनराज, दुर्गेश का विशेष योगदान रहा।

पिकनिक मनाने गए युवक की वाटरफॉल में डूबने से मौत

कोरबा। रविवार को जिले के बालको क्षेत्र स्थित केसला घाट वाटरफॉल में पिकनिक मनाने गए तीन दोस्तों में से एक की दर्दनाक मौत हो गई। नदी में नहाते समय तेज बहाव में बहने से युवक की जान चली गई। जानकारी के अनुसार, जफ्फर खान (33 वर्ष), निवासी रामपुर, अपने दो दोस्तों के साथ रविवार को केसला घाट वाटरफॉल में पिकनिक मनाने गया था। पिकनिक के बाद तीनों दोस्त नहाने के लिए नदी में उतरे। इस दौरान जफ्फर पानी के तेज बहाव में बह गया। उसके दोनों दोस्तों ने उसे बचाने की भरपूर कोशिश की, लेकिन जफ्फर गहरे पानी में समा गया। दोनों दोस्तों ने घटना की जानकारी बालको थाने में जाकर लिखित रूप से दी। पुलिस और स्थानीय लोगों की मदद से देर रात तक युवक की तलाश की गई, लेकिन सफ्लता नहीं मिली। सोमवार सुबह एक बार फ्रि गोताखोरों की मदद से खोजबीन शुरू की गई और अथक प्रयासों के बाद केसला घाट क्षेत्र से जफ्फर खान का शव बरामद किया गया। फ्लिहाल बालको पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। गौरतलब है कि बारिश के दिनों में पिकनिक स्पॉट खतरों से काम नहीं होते हैं शासन प्रशासन लगातार लोगों से अपील कर रही है कि ऐसे स्थान पर न जाए जहां पानी गहरा हो और डूबने के खतरा हो सकता है ।

नेहरू नगर से नगदी रकम सहित अन्य सामानों की चोरी

कोरबा। जिले में चोरों के हौसले इस कदर बुलंद है कि महज थाने से कुछ दूरी पर ही चोरी की घटना को अंजाम देने में नहीं चूक रहे हैं बालको नगर में सुने मकान को अज्ञात चोरों ने निशाना बनाते हुए चोरी की घटना को अंजाम दिया है, घर से नगदी रकम समेत अन्य सामान को चोरों ने निशाना बनाते हुए घटना को अंजाम दिया है। मामला बालको थाना क्षेत्र अंतर्गत नेहरू नगर का है जहां चमन सारथी के घर अज्ञात लोगों द्वारा चोरी की गई हैं, धनीराम सारथी अपने परिजनों के साथ बाहर काम करने गए हुए थे, घर पर चमन सारथी रहा करता है। जो रविवार को कनकी महादेव के दर्शन करने रात में गया हुआ था जब सोमवार को वह घर वापस लौटा तो उसके होश उड़ गए, घर का सामान बिखरा हुआ था घर पर रखे 15,000 रुपए नगदी रकम, स्मार्ट टीवी, पायल समेत अन्य सामनों की चोरी हो गई थी । मामले की जानकारी बालको पुलिस को दे दी गई, ए एस आई माखन पात्रे अपने स्टॉफके साथ घटना स्थल पर पहुंच मामले की जांच में जुट गए है।

पुलिस ने ओएनसी बार में दी दबिश, दो सुरक्षा कर्मी गिरफ्तार

कोरबा। पाम मॉल स्थित ओएनसी बार में रईसजादों की अय्याशी और नशे के वायरल वीडियो पर शनिवार को रविवार की रात को कोरबा पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की। सीएसईबी चैकी पुलिस की टीम ने रात में ही ओएनसी बार और मॉल परिसर में दबिश दी। इस दौरान दो नशे में पाए गए सुरक्षाकर्मियों को मौके से हिरासत में लिया गया। उनके खिलाफ सार्वजनिक स्थान पर शराब सेवन करने के आरोप में विधिवत मामला दर्ज किया गया है।

स्कूटी से पायलटिंग करते गांजा ले जा रहे अंतरराज्यीय चार गांजा तस्कर चिल्फी पुलिस के हत्थे चढे

पुलिस ने किया 10 किलो गांजा जप्त

कवर्धा (समय दर्शन)। राष्ट्रीय राजमार्ग 30 में पायलटिंग करते हुए गांजा ले जा रहे अंतरराज्यीय चार गांजा तस्करों को चिल्फी पुलिस ने गिरफ्तार करने में सफ्लता पाई है। पुलिस चेकिंग के दौरान चेकपोस्ट के पास चिल्फी पुलिस ने स्कूटी में मुखबीर की सूचना पर हुई इस कार्रवाई में एनएच 30 मुख्य मार्ग चेक पोस्ट के पास नाकाबंदी कर वाहनों की चेकिंग की जा रही थी। इस दौरान एक सफेद रंग की स्कूटी एमपी 20 जेड के 7484 कवर्धा से जबलपुर की ओर जाते हुए दिखी और पुलिस को देखकर भागने लगी। उसे रोकने के लिए टीम रवाना की गई। कुछ ही देर में दूसरी स्कूटी एमपी 20 जेड यू 8278 आई, जिसमें दो व्यक्ति सवार थे। पुलिस ने बताया कि दोनों स्कूटी में चार लोग अवैध रूप से गांजा लेकर चिल्फी-बोड़ला मार्ग से जबलपुर की ओर जा रहे थे। इनमें से एक स्कूटी पायलटिंग कर रही थी, ताकि रास्ते में यदि पुलिस चेकिंग हो तो मुख्य गांजा ले जा रही गाड़ी को संकेत देकर भागने में मदद मिल सके। पुलिस की पूछताछ में आरोपियों ने पुलिस को अपना नाम सोनू उर्फ सूरज पिता छोटे सिंह ठाकुर, उम्र 21 वर्ष, निवासी जबलपुर और राहुल ठाकुर पिता कोदू ठाकुर, उम्र 20 वर्ष, निवासी जबलपुर बताया। उन्होंने बताया कि उनके साथी अंकित पटेल और अमर खरे गांजा से भरी स्कूटी चला रहे हैं और वही पायलटिंग करने वाली स्कूटी के साथ समन्वय कर रहे थे। तलाशी के दौरान स्कूटी की डिक्की और बैग से कुल 10.065 किलोग्राम गांजा 5 पैकेट में बरामद हुआ जिसे मौके पर ही विधिवत जप्त किया गया। गिरफ्तार आरोपियों में 1. सोनू उर्फ सूरज पिता छोटे सिंह ठाकुर, उम्र 21 वर्ष, निवासी जबलपुर 2. राहुल ठाकुर पिता कोदू ठाकुर, उम्र 20 वर्ष, निवासी जबलपुर 3. अंकित पटेल पिता कुंजीलाल पटेल, उम्र 25 वर्ष, निवासी आधारताल जबलपुर 4. अमर खरे पिता गुड्डू खरे, उम्र 23 वर्ष, निवासी आधारताल जबलपुर चारों आरोपियों के विरुद्ध थाना चिल्फी में एनडीपीएस एक्ट की धारा 20 (बी) (पप) (बी) के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विधिवत गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने नागरिकों से अपील है कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को दें। आपकी पहचान पूर्णत: गोपनीय रखी जाएगी।

गरियाबंद को मिलेगा सुसज्जित कन्या महाविद्यालय भवन,4.65 करोड़ की स्वीकृति

विधायक रोहित साहू ने किया निरीक्षण, लोक निर्माण विभाग को शीघ्र टेंडर जारी करने के निर्देश*

गरियाबंद (समय दर्शन)। राजिम विधायक रोहित साहू ने आज शासकीय नवीन कन्या महाविद्यालय, गरियाबंद का निरीक्षण किया। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ शासन के मछुवा कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष भरत मटियारा, भाजपा जिला अध्यक्ष अनिल चंद्राकर, नगर पालिका अध्यक्ष रिखी यादव सहित अनेक जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

निरीक्षण के दौरान विधायक रोहित साहू ने कहा कि हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है कि बेटियों को सशक्त, शिक्षित और सुरक्षित शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध हो।शीघ्र ही गरियाबंद को एक आधुनिक, पूर्ण सुसज्जित कन्या महाविद्यालय भवन प्राप्त होगा।

भाजपा जिला अध्यक्ष अनिल चंद्राकर ने कहा कि विगत कई वर्षों से इस महाविद्यालय के लिए पृथक भवन की मांग की जा रही थी।अब यह मांग पूरी होती देख क्षेत्रवासियों में खुशी है।इसके लिए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और विधायक रोहित साहू का धन्यवाद करता हूँ।

शासकीय नवीन कन्या महाविद्यालय विगत दो वर्षों से शासकीय वीर सुरेन्द्र साय महाविद्यालय भवन में द्विपालि सत्र (दो शिफ्टों) में संचालित हो रहा है।छात्राओं को पर्याप्त शैक्षणिक सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से विधायक रोहित साहू ने मुख्यमंत्री से विशेष आग्रह कर 4 करोड़ 65 लाख 84 हजार रुपये की लागत से नवीन महाविद्यालय भवन की स्वीकृति दिलाई है।नवीन भवन के लिए ग्राम डोंगरी में 15 एकड़ भूमि पूर्व में आरक्षित की गई थी,जिसे अब प्रशासन द्वारा विधिवत आबंटित कर दिया गया है। लोक निर्माण विभाग को समयसीमा में शीघ्र टेंडर जारी कर निर्माण कार्य प्रारंभ करने के निर्देश भी दिए गए हैं।महाविद्यालय की प्राचार्य द्वारा शैक्षणिक स्टाफ की पूर्ति एवं विषय स्वीकृति की मांग रखी गई,जिस पर विधायक श्री साहू ने शीघ्र कार्रवाई का आश्वासन दिया।

अंत में एक पेड़ माँ की नाम अंतर्गत महाविद्यालय परिसर में वृक्षारोपण किया गया,जिसमें महाविद्यालय स्टाफ और जनप्रतिनिधियों ने सहभागिता निभाई।

इस अवसर पर पूर्व जिला पंचायत सदस्य चंद्रशेखर साहू,प्रशांत मानिकपुरी,हरीश साहू,पार्षदगण सूरज सिन्हा,बिंदु सिन्हा, रेणुका साहू,प्रतीक तिवारी,धनराज विश्वकर्मा,पप्पू ठाकुर सहित कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

एग्रीस्टेक पोर्टल में पंजीयन कराकर कृषि हितैसी योजना का लाभ प्राप्त करें

धान खरीदी के लिए एग्रीस्टेक जरूरी

गरियाबंद (समय दर्शन)। शासन द्वारा कृषि क्षेत्र में डिजिटल क्रांति लाने की पहल की जा रही है।एग्रीटेक परियोजना के तहत जिले के हर किसानों का डिजिटल फार्मर आई.डी. (किसान कार्ड) एवं कृषि भूमिधारक का कृषि भूमि पहचान पत्र बनाया जा रहा है। राज्य शासन द्वारा इसके जरिये किसानों को कृषि योजनाएं जैसे-धान खरीदी, कृषक उन्नति योजना, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, किसान क्रेडिट कार्ड, उर्वरक अनुदान, मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना, प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना, कृषि यंत्र अनुदान आदि सभी योजनाओं का सीधा लाभ प्राप्त हो सकेगा। जिले में एग्रीस्टेक योजना के तहत समस्त कृषकों का नि:शुल्क पंजीयन हेतु सभी लोक सेवा केन्द्र, प्राथमिक सेवा सहकारी समिति एवं आदिम जाति सेवा सहकारी समितियों को निर्देशित किया गया है।किसान भाईयों से अपील की जाती है कि वे आवश्यक दस्तावेज जैसे -आधार कार्ड, ऋण पुस्तिका व बी-1 की छायाप्रति एवं आधार कार्ड में लिंक मोबाईल नंबर के साथ अपने नजदीकी लोक सेवा केन्द्र, प्राथमिक सेवा सहकारी समिति एवं आदिम जाति सेवा सहकारी समितियों में जाकर नि:शुल्क पंजीयन जल्द से जल्द करा लेवें। कृषकगण एग्रीस्टेक पोर्टल पर जाकर अपना स्व: पंजीयन भी कर सकते है। एग्रीस्टेक पोर्टल पर पंजीयन के संबंध में किसी भी प्रकार की समस्या या जानकारी हेतु अपने क्षेत्र के पटवारी, ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी, लोक सेवा केन्द्र एवं सहकारी समितियों से सम्पर्क कर सकते हैं।

शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. अशोक भट्टर द्वारा जिले के कुपोषित बच्चों का किया जाएगा नि:शुल्क इलाज

नागरिकों द्वारा कुपोषित बच्चों को गोद लेने में उत्साह

गरियाबंद (समय दर्शन)। जिला मुख्यालय गरियाबंद के वन विभाग ऑक्सन हॉल में शुक्रवार 25 जुलाई को मेगा हेल्थ शिविर का आयोजन किया जायेगा।महिला एवं बाल विकास विभाग के कार्यक्रम अधिकारी ने बताया कि 26 जून 2025 को आयोजित जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक में जिले में कुपोषण दर को कम करने का निर्णय लिया गया था। जिला प्रशासन के प्रयास से जिले के 920 गंभीर कुपोषित बच्चों का पहले स्वास्थ्य परीक्षण कराया जाएगा। जिसमें राजधानी रायपुर के बाल गोपाल चिल्ड्रन हॉस्पिटल के प्रसिद्ध शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ.अशोक भट्टर एवं उनके टीम द्वारा जिले के कुपोषित बच्चों का नि:शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण किया गया जाएगा। इसके पश्चात् गंभीर कुपोषित बच्चों को समाजसेवी संस्थाओं, समाजसेवियों, जनप्रतिनिधियों/जिला स्तरीय नोडल अधिकारियों को गोद दिलाया जाएगा।इसी प्रकार रविवार 27 जुलाई को सांस्कृतिक भवन छुरा में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया है।इसके उपरांत विकासखण्ड फिंगेश्वर, मैनपुर और देवभोग में मेगा हेल्थ शिविर का आयोजन किया जाएगा।जिला कार्यक्रम अधिकारी ने बताया कि जन प्रतिनिधियों, अधिकारियों, शिक्षकों एवं गणमान्य नागरिकों, समाजसेवी संस्थाओं, स्वयंसेवी संस्थाओं, व्यापारी संगठनों के द्वारा गभीर कुपोषित बच्चों को उत्साह पूर्वक गोद ले रहे है,ताकि जिले के कोई भी बच्चे कुपोषित न रहे।उन्होंने बताया कि अभी तक जिले के 680 बच्चों को गोद लिये जा चुके हैं।

बारिश से रजगामार रोड बनी समस्यामूलक, जनप्रतिनिधि का ध्यान नहीं

कोरबा। कोरबा से रजगामार की ओर जाने वाला मार्ग अब सडक कम और गड्ढों का संग्रहालय ज्यादा लगता है। यहां से गुजरना आम लोगों के लिए किसी बाधा दौड़ से कम नहीं रह गया है। वर्षों से इस सडक की हालत खराब है, लेकिन बारिश ने हालात ऐसे बना दिए हैं कि अब सडक खोजने के लिए भी ग्लोबल पोजिशनिंग सिस्टम बेकार है। गड्ढे इतने गहरे हैं कि लोग अब उन्हें नाम तक देने लगे हैं 'छोटा गड्ढा', 'बड़ा गड्ढा। दोपहिया वाहन चालक खुद को किसी स्टंट शो में महसूस करते हैं, जबकि चारपहिया वाहन मालिक अब तक सस्पेंशन की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना कर चुके हैं। इस मार्ग की देखरेख की जिम्मेदारी साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड कोरबा एरिया एवं रजगामार उपक्षेत्र की है। लेकिन अधिकारी या तो आंखें मूंद चुके हैं या शायद वे हेलिकॉप्टर से सफर करते हैं। स्थानीय लोग कहते हैं -रास्ता चाहे जैसा हो, अफसरों की चुप्पी हमेशा एक जैसी होती है। सबसे आश्चर्य की बात यह है कि जनता की समस्याओं पर कोई जनप्रतिनिधि आवाज नहीं उठा रहा। क्या हमने उन्हें सिर्फ पोस्टर में मुस्कुराने और उद्घाटन की रिबन काटने के लिए चुना था। जनता अब सवाल पूछ रही है -क्या वोट देने की सजा हम गड्ढों में गिर-गिर कर भुगतें। सरकारी वादों में 'गड्ढा मुक्त सडकें' हर साल का सपना बन कर रह गया है। लेकिन कोरबा-रजगामार रोड को देखकर लगता है कि सपना उल्टा हो गया है, यहाँ सडक कम और गड्ढे ज्यादा हैं। लगता है जल्द ही इसे जलभराव पर्यटन स्थल घोषित कर दिया जाएगा। इस रास्ते की बदहाली के कारण कई प्रकार की चुनौतियां वाहन मालिकों के सामने बनी हुई है। रास्ते पर बड़े-बड़े गड्ढों से गाडियों के पार होने के कारण उनके स्पेयर पार्ट्स में शिकायत आती है। कमानी पट्टा, शॉकप के साथ-साथ दूसरे महंगे पार्ट्स क्षतिग्रस्त हो रहे हैं। दूसरी और गाडियों के पहिए पर भी गंभीर दुष्परिणाम हो रहा है। सबसे अधिक समस्या छोटी गाडियों के मामले में है।

जनदर्शन में सुनी गई आमजन की पीड़ा, 26 आवेदन प्राप्त हुये, कलेक्टर ने दिए त्वरित निराकरण के निर्देश

बेमेतरा/- आमजन की समस्याओं के त्वरित निराकरण तथा प्रशासनिक जवाबदेही सुनिश्चित करने के उद्देश्य से आज मंगलवार को कलेक्टोरेट स्थित दृष्टि सभाकक्ष में कलेक्टर श्री रणबीर शर्मा की उपस्थिति मे जनदर्शन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिले के विभिन्न विकासखण्डों एवं गांवों से बड़ी संख्या में ग्रामीण व शहरी नागरिक अपनी समस्याएं, मांगें और शिकायतें लेकर उपस्थित हुए। जनदर्शन के दौरान कुल 26 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से तात्कालिक महत्व के मामलों का मौके पर ही समाधान किया गया, वहीं गंभीर प्रकृति एवं जांच योग्य आवेदनों को टीएल पंजी में दर्ज कर संबंधित अधिकारियों को शीघ्र कार्रवाई के निर्देश दिए गए। कलेक्टर ने व्यक्तिगत रूप से प्रत्येक आवेदक की बात ध्यानपूर्वक सुनी और संबंधित अधिकारियों को दूरभाष अथवा प्रत्यक्ष बुलाकर त्वरित निर्देश दिए।

मुख्य प्रकरणों मे ग्राम भटगांव, तहसील देवकर के निवासी केजू सिंह ने आवास योजना अंतर्गत सहायता की मांग की। बेमेतरा नगर के सभी 21 वार्डों की मितानिनों ने सामूहिक रूप से मितानिन ट्रेनर को बदलने का आवेदन प्रस्तुत किया। ग्राम उमरावनगर, तहसील थानखम्हरिया के दीनदयाल ने स्थगन आदेश के बावजूद निर्माण कार्य जारी रहने की शिकायत की। ग्राम अमोरा, तहसील बेमेतरा की शारदा देवी सोनी ने विवादित आबादी भूमि पर बलपूर्वक निर्माण किए जाने की जानकारी शामिल है 7 इनके अतिरिक्त आमजन ने निराश्रित पेंशन, वृद्धावस्था एवं दिव्यांग पेंशन, प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ, भूमि रकबा जोड़ने, आम रास्ता खुलवाने, खाद गड्ढा हटाने, तथा बैटरी चालित ट्रायसायकल प्राप्त करने जैसी दैनिक जीवन से जुड़ी समस्याओं को जनदर्शन में प्रस्तुत किया।

कलेक्टर श्री रणबीर शर्मा ने स्पष्ट किया कि प्रशासन जनहित को सर्वोपरि मानते हुए समस्याओं के निराकरण हेतु संकल्पबद्ध है। उन्होंने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्राप्त आवेदनों पर मानवता एवं संवेदनशीलता के साथ त्वरित कार्यवाही की जाए। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि जनदर्शन के माध्यम से नागरिकों को शासन की योजनाओं से जोड़ने और उनकी समस्याओं का समयबद्ध समाधान करने का अवसर प्राप्त होता है। इस अवसर पर अपर कलेक्टर अनिल वाजपेयी, सभी एसडीएम, तहसीलदार, जनपद सीईओ तथा विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

चैतन्य बघेल की गिरफ्तारी पर कांग्रेस का हल्ला बोल,तिरंगा चौक पर चक्काजाम

गरियाबंद (समय दर्शन)। तिरंगा चौक पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने प्रवर्तन निदेशालय (श्वष्ठ) और भारतीय जनता पार्टी के खिलाफ जमकर प्रदर्शन किया। यह हंगामा पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य बघेल की गिरफ्तारी के विरोध में था, जिसे कांग्रेस ने राजनीतिक प्रतिशोध करार दिया है। दोपहर 12 से 2 बजे तक चले इस चक्का जाम में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने तिरंगा चौक सहित प्रदेश के कई प्रमुख मार्गों और राष्ट्रीय राजमार्गों पर नारेबाजी की और श्वष्ठ के साथ-साथ केंद्र व राज्य सरकार पर विपक्ष को दबाने का आरोप लगाया।

ज्ञात हो कि 18 जुलाई 2025 को श्वष्ठ ने छत्तीसगढ़ के बहुचर्चित शराब घोटाला मामले में पूर्व सीएम भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य बघेल को भिलाई स्थित उनके आवास से गिरफ्तार किया।श्वष्ठ का दावा है कि चैतन्य ने इस घोटाले से जुड़े 16.70 करोड़ रुपये को

अपनी रियल एस्टेट कंपनियों में निवेश कर मनी लॉन्ड्रिंग की। चैतन्य को रायपुर की विशेष अदालत में पेश किया गया, जहाँ उन्हें 22 जुलाई तक 5 दिन की श्वष्ठ रिमांड पर भेजा गया। आज, 22 जुलाई को श्वष्ठ ने चैतन्य को दोबारा कोर्ट में पेश किया और उनकी रिमांड अवधि बढ़ाने की माँग की।

इस कार्रवाई के खिलाफ कांग्रेस ने पूरे प्रदेश में आर्थिक नाकेबंदी और चक्का जाम का ऐलान किया था,जिसके तहत आज गरियाबंद के तिरंगा चौक पर सैकड़ों कांग्रेसी कार्यकर्ता जुटे। प्रदर्शनकारियों ने श्वष्ठ और श्वष्ठक के खिलाफ नारे लगाए, जैसे अडानी भगाओ, छत्तीसगढ़ बचाओ और श्वष्ठ की तानाशाही नहीं चलेगी। कांग्रेस का कहना है कि यह गिरफ्तारी पूरी तरह से राजनीति से प्रेरित है और इसका मकसद भूपेश बघेल जैसे प्रमुख विपक्षी नेताओं को चुप कराना है।

तिरंगा चौक पर चक्का जाम दोपहर 12 बजे से शुरू हुआ यह प्रदर्शन शांतिपूर्ण लेकिन जोरदार रहा। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने सड़कों पर जाम लगाया,जिससे काफी समय के लिए ट्रैफिक प्रभावित हुआ। हालांकि,पार्टी ने स्पष्ट किया कि एम्बुलेंस और स्कूल बसों को जाम से छूट दी गई। प्रदर्शन में शामिल कार्यकर्ताओं ने तिरंगे झंडे लहराए ।

इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य संजय नेताम ने कहा,की जापा विपक्ष की आवाज़ को दबाने के लिए ईडी का दुरुपयोग कर रही है। सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट तक ने इस बात पर चिंता जताई है कि ईडी का राजनीतिकरण किया जा रहा है। हसदेव में जब जंगल कटाई के खिलाफ भूपेश बघेल ने आवाज उठाई, तब उनके बेटे को निशाना बनाकर गिरफ्तार किया गया। हम सब इसी अन्याय के खिलाफ सड़कों पर उतरे हैं और तिरंगा चौक पर चक्काजाम कर विरोध जता रहे हैं।

विधायक जनक ध्रुव ने भी भाजपा सरकार पर हमला बोलते हुए कहा,कि भाजपा सरकार लगातार गरीब, किसान और आदिवासियों की आवाज दबाने का प्रयास कर रही है। स्कूल बंद हो रहे हैं, किसानों को खाद नहीं मिल रही, और जंगलों की लूट की जा रही है। जब हम इसका विरोध करते हैं, तो ईडी के जरिए डराने की कोशिश होती है। लेकिन हम अंग्रेजों से नहीं डरे, तो भाजपा से क्या डरेंगे? आज का आर्थिक चक्काजाम इसी जनविरोध की एक झलक है।

संक्षिप्त-खबर

अवैध प्लाटिंग के कारण किसानों के खेतों में भर गया था, तहसीलदार में मौके पर जाकर बनवाना पानी निकासी का रास्ता, किसानों में खुशी की लहर

पाटन (समय दर्शन)। पाटन विकासखंड के ग्राम घुघवा आ में प्लाटिंग के कारण किसानों के खेतों का पानी निकल नहीं रहा था। इस कारण किसान का फसल लेना मुश्किल हो गया था। इसे देखते हुए किसानों ने राजस्व विभाग में इसका शिकायत किया था। बता दें कि पानी निकासी बंद होने के कारण क्षेत्र के करीब एक दर्जन से अधिक किसानों के 50 एकड़ से अधिक खेतों में पानी लबालब भर गया था और फसल लेना मुश्किल हो गया था। प्लाटिंग करने वाले के द्वारा किसानों की समस्या को देखते हुए पानी निकासी के लिए आस्थाई तौर पर नाली बनाने के लिए अनुमति दी गई जिसके बाद आज तहसीलदार मनोज रस्तोगी मौके पर पहुंचकर नाली बनवाई। जिससे कि किसानों ने राहत की सास ली।

अनुशासन ही विद्यार्थी की कड़ी परीक्षा होती है-दिनेश्वरी लहरें

साजा (समय दर्शन)। थानखम्हरिया समीपस्थ शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला एवं हाई स्कूल दर्री में शिक्षक-शिक्षिका द्वारा विद्यालय के सभी 120 विद्यार्थियों को टाई प्रदान की गई। बच्चों को सुव्यवस्ति अनुशासन बनाएं रखने एवं नियमित शाला आने के लिए प्रेरित किया गया । प्रभारी प्राचार्या दिनेश्वरी लहरें ने बच्चों को लक्ष्य निर्धारित कर पूरी निष्ठा एवं लगन से मेहनत करने की बातें कही। बच्चों को समय सारिणी तैयार कर घर पर मेहनत करना एवं विद्यालय समय पर पहुंचने की बातें कही। इस दौरान हाई स्कूल दर्री प्रभारी प्राचार्या दिनेश्वरी लहरे, व्याख्याता संगीता किरण अनंत , व्याख्याता रीना कांता लकड़ा, सहायक ग्रेड दो विजय वैष्णव, प्रधान पाठक राजकुमार ध्रुवे , शिक्षक गोविंद कुमार सोनकर,भवानी सिंह नेताम ,अंजनी कुमार मिर्झा, सहायक शिक्षक सालिक राम पाल एवं स्वयं सेवी शिक्षिका दुर्गा सेन समेत सभी विद्यार्थी शामिल रहे।

भोले कांवरिया संघ के तत्वाधान में शिव भक्तों का एक बड़ा जत्था बाबा बैजनाथ धाम रवाना

भाटापारा। सावन के महीने में शिव भक्त भगवान भोलेनाथ को खुश करने के लिए कावड़ यात्रा में निकलते हैं और विभिन्न वेशभूषा में भोलेनाथ के प्रति अपनी श्रद्धा प्रकट करते हैं प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी जय भोले कांवरिया संघ के तत्वाधान में शिव भक्तों का एक बड़ा जत्था बाबा बैजनाथ धाम के लिए सोमवार को भाटापारा से रवाना हुआ। इस दौरान भाटापारा रेलवे स्टेशन पर बड़ी संख्या में लोग बाबा के भक्तों को विदाई देने के लिए पहुंचे थे बाजे गाजे के साथ भक्तों को गाड़ी में चढ़ाया गया। इस जत्थे में करीब 90 लोग बाबा की नगरिया के लिए रवाना हुए हैं स्टेशन परिसर बोल बम का नारा है बाबा एक सहारा है के नारे से गुंजायमान हो रहा था। बता दें कि जय भोले कांवरिया संघ के तत्वाधान में विगत लगभग 25 वर्षों से भी अधिक समय से शिव भक्तों का एक जत्था प्रतिवर्ष बाबा बैजनाथ धाम बाबा भोलेनाथ को जल चढ़ाने के लिए जाता है ।करीब 100 लोगों के इस लंबे जत्थे में भजन गाने बजाने वाले भी साथ जाते हैं और जहां से जल उठा कर भगवान बैजनाथ धाम को जलाभिषेक करते हैं। लगभग 110 किलोमीटर की पदयात्रा तय करके भगवान भोलेनाथ बैजनाथ धाम को जल अर्पित करते हैं। पूरे रास्ते भर भजन गाते बजाते शिवभक्त चलते हैं इस जत्थे में प्रमुख रूप से विपिन अग्रवाल प्रकाश शर्मा बृज किशोर अग्रवाल रवि गुप्ता राहुल अग्रवाल बिहारी जोशी मोंटू चौरसिया विजय गुप्ता आयुष गुप्ता सुमित जयसवाल बलौदा बाजार से राजेश हबलानी, गुरनामल मंधान, संजय अग्रवाल सुरेश अग्रवाल धनंजय गुप्ता अजय काचेला, आशीष पुरोहित पंकज माखीजा इंदु हबलानी डॉक्टर शशांक गुप्ता, संदीप मल विनय ठाकुरदिव्यांश अग्रवाल आदि लोग बड़ी संख्या में रवाना हुए। इस बड़े जत्थे में भाटापारा बलौदा बाजार, रायपुर भिलाई नागपुर के लोग भी शामिल है।

सावित्रीपुर विद्यालय में वृक्षारोपण के छह वर्ष पूर्ण होने पर उत्सव का आयोजन

पिथौरा (समय दर्शन)। विकासखण्ड पिथौरा के अंतर्गत शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सावित्रीपुर में वर्ष 2019 में 22 जुलाई को संस्था के प्राचार्य पी सिदार के निर्देशन एवं वरिष्ठ व्याख्याता निर्मल साहू , बीडी साहू एवं सुभाष सिंह के मार्गदर्शन में वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम रखा गया था ।जिसके अंतर्गत विद्यालय को हरियाली से परिपूर्ण बनाने के लिए विभिन्न प्रजातियों के पौधे रोपे गए हैं ।

6 वर्ष पश्चात इन वृक्षों की ऊंचाई एवं सुंदरता में वृद्धि हुई ।विद्यालय परिसर में वृक्षों की छाया,सुंदर फूलों,हरियाली का आकर्षक स्वरूप मन को मोहित कर रहा है ।22 जुलाई की तिथि को अविस्मरणीय बनाने के लिए 6 वर्ष पूर्ण होने पर विद्यालय में 'हरित विद्यालय स्वस्थ विद्यालय' कार्यक्रम के अंतर्गत उत्सव का आयोजन किया गया ।इस अवसर पर संकुल समन्वयक पीएल चौधरी सर ने बताया कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण,हरियाली संवर्धन एवं भावी पीढ़ी के लिए स्वच्छ जीवन दायिनी प्रकृति को संजोने का संदेश देना है। बीडी साहू सर ने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल किताबी ज्ञान तक सीमित नहीं है,बल्कि बच्चों में प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता और जिम्मेदारी का भाव विकसित करना है। विद्यालय में पर्यावरण को दैनिक जीवन से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है, उन्होंने बच्चों को बताया कि पौधे हमें स्वच्छ वायु,छाया,फल और जीवन देते हैं,इसलिए हमें वृक्षों की रक्षा करनी चाहिए ।वरिष्ठ व्याख्याता निर्मल साहू सर ने कहा कि आज के समय में वृक्षारोपण अत्यंत आवश्यक है,बच्चों को पर्यावरण संरक्षण की शिक्षा देने का सबसे अच्छा तरीका है कि हम उन्हें प्रकृति के साथ जोड़ें और पौधों की देखभाल की जिम्मेदारी दें ।उन्होंने कहा कि हर व्यक्ति को अपने जीवन में कम से कम 10 पौधें लगाना चाहिए और उसका संरक्षण करना चाहिए ।कार्यक्रम के अंत में प्रधान पाठक एसएल पटेल सर ने उपस्थित सभी लोगों का आभार व्यक्त किया तथा बच्चों को प्रेरित किया कि वह अपने घर और मोहल्ले में भी पौधे लगाए और उनका संरक्षण करें। इस अवसर पर विद्यालय के समस्त शिक्षक शिक्षकाएं उपस्थित रहे।

सेट्रींग प्लेट उपलब्ध कराकर खेमीन दीदी समूहों की महिलाओं के लिए बनी प्रेरणा स्त्रोत

दुर्ग,(समय दर्शन)। गांव में मजदूरी कर गुज़ारा करने वाली स्व सहायता समूह की महिलाएं आज अपने व्यवसाय से लखपति बन चुकी हैं और क्षेत्र की महिलाओं के लिए प्रेरणास्त्रोत बन गई हैं। दुर्ग जिले के ग्राम पंचायत रिसामा में छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन ''बिहान'' अंतर्गत संचालित कल्याणी स्व सहायता समूह की सदस्य और सचिव खेमीन निर्मलकर बिहान योजना में सक्रिय महिला के तौर पर भी कार्य कर रही है, और स्व सहायता समहों से जुड़ी महिलाओं के लिए एक मिशाल के तौर पर उभरी है। खेमीन निर्मलकर बताती है कि ग्राम में मजदूरी का कार्य करती थी और उनके पति मिस्त्री के रूप में कार्य करते थे, जिससे उन्हें 8,000 रूपये मासिक आमदनी प्राप्त होती थी। श्रीमती खेमीन ने समूह के माध्यम से ऋण लेकर नया व्यवसाय करने और अपनी आमदनी को बढ़ाने की योजना बनाई। समूह के माध्यम से उन्होंने 2.5 लाख रुपये का बैंक लोन और एक लाख रुपये अपनी पूंजी

लगाकर 2000 वर्गफुट सेट्रींग प्लेट का निर्माण कार्य शुरू किया। काम की गुणवत्ता और समय पर सेवा देने के चलते खेमीन दीदी की मांग बढ़ती गई। उन्होंने इसी वित्तीय वर्ष (2024-25) में अपने लाभ से 1000 वर्गफुट अतिरिक्त सेट्रींग प्लेट खरीदी और अब कुल 3000 वर्गफुट प्लेट्स उपलब्ध हैं। ये प्लेट्स अब तक 100-150 प्रधानमंत्री ग्रामीण आवासों और 100 से अधिक निजी निर्माण कार्यों में लगाई जा चुकी हैं।

हर 1000 वर्गफुट प्लेट से उन्हें 12 हजार रुपये की शुद्ध आमदनी होती है। इस हिसाब से 3000 वर्गफुट प्लेट से 36 हजार रुपये प्रतिमाह और 10 महीनों की कार्य अवधि में कुल 3 लाख 60 हजार रुपये वार्षिक आमदनी हो रही है।

सिर्फ खुद नहीं, औरों के लिए भी रोशनी बनीं- आज खेमीन दीदी सिर्फ अपने गांव रिसामा में ही नहीं, बल्कि दुर्ग जिले के चंदखुरी, उतई, घुघसीडीह, मचांदुर, कुकरैल, अण्डा, चिरपोटी और यहां तक कि बालोद जिले के ओटेबंद, सुखरी, पांगरी जैसे अनेक गांवों में भी प्रधानमंत्री आवास और निजी निर्माण कार्यों के लिए सेट्रींग प्लेट उपलब्ध करा रही हैं। अब उनकी योजना है कि वे आने वाले महीनों में अपने व्यवसाय को 3000 से बढ़ाकर 5000 वर्गफुट तक करें, जिससे और अधिक आमदनी हो सके और अन्य महिलाओं को भी रोजगार मिल सके।

कस्तूरबा आवासीय विद्यालय बंसूला में खेल कूद का दैनिक अभ्यास

बसना (समय दर्शन)। शासकीय कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय बंसूला बसना के छात्राओं को सुबह योग प्राणायाम के पश्चात सामुहिक मार्निंग वाक हेतु आई टी आई ग्राउण्ड ले जाया जाता हे।

जहाँ सभी छात्राओं के फिटनेस हेतु प्रात: कालीन सत्र मे प्रार्थना पश्चात विभिन्न खेल, कूद ,दौड़ का नियमित अभ्यास कराया जाता है। शासकीय कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय बंसूला बसना की अधिक्षिका श्रीमती गीतांजलि नाग के कुशल मार्गदर्शन में विद्यालयीन बच्चे दैनिक जीवन मे खेल के महत्व को जीवन में उतारते हुए स्वास्थ्य लाभ के साथ फिटनेस हेतु पसीना बहा रहे हैं । आपको बता दें कि बीते वर्षों में विद्यालय के अनेक बच्चे पढाई के साथ खेल मे उम्दा प्रदर्शन कर विद्यालय का नाम रौशन किया है। गौरतलब है कि बसना विधायक डॉ सम्पत अग्रवाल के प्रयास से बसना क्षेत्र में खेल खिलाडी भावना का सम्मान करते हुए प्रेरित किया जा रहा है। वही रानी लक्ष्मीबाई आत्मरक्षा अकादमी के तहत सभी स्कूलों में जूडो कराटे का प्रशिक्षण दिया जा रहा है । इस विधा मे भी कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय बंसूला बसना की छात्राएँ पारंगत हो रहे है ।

रश्मि चंद्राकर एवं विनोद चंद्राकर के नेतृत्व मे जिला स्तरीय प्रदेशव्यापी आर्थिक नाकेबंदी एवं चक्काजाम

- पूर्व सीएम भूपेश बघेल के सुपुत्र चैतन्य बघेल की ईडी द्वारा गिरफ्तारी पर काँग्रेसी विधायक चातुरी नंद द्वारा आदोलन
- विपक्ष के नेताओं को फंसाने की साजिश और अडानी को संरक्षण देने के विरोध में सरायपाली घंटेश्वरी के पास प्रदर्शन

महासमुन्द (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के आह्वान पर घोड़ारी फोर लेन में जिला स्तरीय प्रदेशव्यापी आर्थिक नाकेबंदी एवं चक्काजाम जिला अध्यक्ष रश्मि चन्द्रकार एवं महासमुन्द के पूर्व विधायक लापोद चन्द्रकार के नेतृत्व में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने दोपहर 12 बजे से 2 बजे आर्थिक नाकेबंदी एवं चक्काजाम किया जिससे घंटों यातायात बाधित रही।

कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव एवं पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के सुपुत्र चैतन्य बघेल की गिरफ्तारी, अडानी समूह द्वारा अवैध पेड़ कटाई एवं विपक्षी नेताओं को जेल भेजने की साजिश के विरोध में सरायपाली ,महासमुन्द एवं घोड़ारी फोरलेन मे आर्थिक नाकेबंदी एवं चक्काजाम आंदोलन का आयोजन किया गया,जो शांतिपूर्ण एवं सफल रहा। इस जन आंदोलन में भारी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ताओं, किसानों, युवाओं, महिलाओं एवं स्थानीय नागरिकों ने भाग लेकर लोकतांत्रिक तरीके से अपनी आवाज बुलंद की।

जिलाध्यक्ष रश्मि चंद्रा कर ने संबोधित करते हुए कहा कि, पूरे देशभर में कांग्रेस नेताओं के खिलाफ द्वेषपूर्ण कार्रवाई की जा रही हैं। केंद्र की मोदी सरकार और राज्य की भाजपा सरकार के इशारों पर केंद्रीय एजेंसियों का दुरुपयोग किया जा रहा है। कांग्रेस पार्टी इनके साजिशों से डरने वाली नहीं है और खुलकर इसका विरोध करेंगे।

सरायपाली के घंटेश्वरी के पास विधायक चातुरी नंद के नेतृत्व मे सैकड़ो कार्यकर्ताओं ने भी आर्थिक नाकेबंदी एवं चक्का जाम किया । उन्होंने केंद्र सरकार द्वारा राजनीतिक प्रतिशोध की कार्रवाई करार देते हुए कहा कि यह विपक्ष के मजबूत नेताओं को झूठे मामलों में फंसाकर दबाने की साजिश है। उन्होंने यह भी कहा कि छत्तीसगढ़ में अवैध रूप से हो रही वृक्षों की कटाई और अडानी समूह को राज्य में बेजा संरक्षण दिया जा रहा हैं। छत्तीसगढ़ के जल, जंगल, जमीन और खनिज संसाधनों को अडानी समूह को लूटने की खुली छूट राज्य के साय सरकार ने दी, जिसके कारण पहले हसदेव अरण्य के जंगल को उजाड़ा गया और अब तमनार के जंगलों को उजाड़ने की साजिश केंद्र और राज्य सरकार ने की है।

वही विनोद चंद्राकर ने कहा कि, भाजपा सरकार के इशारों पर आदिवासियों को बेघर और उनके अधिकारों पर डाका डाला जा रहा है। जिन क्षेत्रों में पेसा कानून लागू है वहां के जमीनों को फर्जी पंचायत प्रस्तावों के जरिए अडानी समूह को दिया जा रहा है। कांग्रेस पार्टी ऐसी नीतियों का खुला विरोध करती है और छत्तीसगढ़ के जल, जंगल और जमीन को बचाने सड़क से लेकर सदन तक की लड़ाई मजबूती के साथ लड़ रही है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार कॉर्पोरेट समूहों के हित में काम कर रही है और जनसरोकारों की पूरी तरह अनदेखी कर रही ।उन्होंने आंदोलन को संबोधित करते हुए कहा, कि यह लड़ाई सिर्फ कांग्रेस की नहीं, बल्कि छत्तीसगढ़ की अस्मिता, पर्यावरण की रक्षा और लोकतंत्र की गरिमा बनाए रखने की है। हम चुप नहीं बैठेंगे, जनता के हक और न्याय के लिए सड़क से लेकर सदन तक संघर्ष करते रहेंगे। कार्यक्रम मे जिला व ब्लाक काँग्रेस कमेटी के ऊर्जावान कार्यकर्ता बड़ी संख्या में शामिल हुए।

समूह अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन कार्यक्रम : 42 किसानों को किया गया लाभान्वित

मुंगेली(समय दर्शन) किसानों को परंपरागत खेती से आगे बढ़कर वैज्ञानिक एवं तकनीकी विधियों से खेती करने के लिए प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से कृषि विज्ञान केंद्र मुंगेली द्वारा ग्राम बैहाकापा, बैहरसरी, तरवरपुर एवं उदका में समूह अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन कार्यक्रम के अंतर्गत सोयाबीन की खेती का सफल प्रदर्शन किया गया। इस पहल के तहत कुल 42 किसानों को 20 हेक्टेयर क्षेत्र में उन्नत कृषि तकनीकों, वैज्ञानिक सलाह एवं गुणवत्तापूर्ण बीज की सुविधा देकर लाभान्वित किया गया।

विशेषज्ञों ने गांव-गांव जाकर किसानों को उन्नत बीजों, पंक्ति पद्धति, बीजोपचार एवं रोग प्रबंधन की जानकारी दी। पौध रोग के विषय वस्तु विशेषज्ञ एस. के. लहरे ने बताया कि ऐसे कार्यक्रमों के माध्यम से किसानों में वैज्ञानिक कृषि पद्धतियों के प्रति जागरूकता बढ़ी है, जिससे उनकी खेती अधिक लाभकारी हो रही है। उद्यानिकी विशेषज्ञ डॉ. प्रमिला जोगी ने कहा कि वैज्ञानिक तरीके अपनाकर किसान पारंपरिक उपज की तुलना में कहीं अधिक लाभ कमा सकते हैं। कृषि प्रसार विशेषज्ञ श्रीमती नेहा लहरे ने किसानों को जागरूक करते हुए बताया कि सोयाबीन की पंक्ति पद्धति से बुवाई एवं बीजोपचार करने से फसल रोगमुक्त रहती है और उत्पादन में वृद्धि होती है। इस दिशा में किसानों को प्रशिक्षण भी प्रदान किया गया।

पाटन ब्लॉक के कांग्रेसियों ने चक्काजाम कर किया आर्थिक नाकेबंदी, दो घंटे तक जाम रहा स्टेट हाइवे

बलराम यादव

पाटन। प्रदेश कांग्रेस छत्तीसगढ़ के आह्वान पर आज पाटन विधानसभा के ग्राम सेलूद में भी कांग्रेस की आर्थिक नाकेबंदी का असर देखने को मिला। यहां पर बड़ी संख्या में कांग्रेस के कार्यकर्ता दुर्ग पाटन स्टेट हाईवे पर 2 घंटे जाम कर बैठे रहे। हालांकि प्रशासन ने आने जाने वालों को तकलीफना हो इसके लिए अलग से रूट डायवर्ट पहले से ही कर चुका था। बरसते पानी में कांग्रेस के कार्यकर्ता बीच सड़क पर बैठे रहे। यहां पर कांग्रेसियों ने अदानी हटाओ छत्तीसगढ़ बताओ के नारे भी लगा रहे थे । बता दे की तमनार में अंधाधुंध हो रही पेड़ों की कटाई को लेकर आज कांग्रेसियों ने एक दिवसीय छत्तीसगढ़ में नाकेबंदी का आवाहन किया था। पाटन विधानसभा के ग्राम सेलूद में भी पाटन विधानसभा क्षेत्र के कांग्रेसी सैकड़ो की संख्या में उपस्थित हुए। पहले चौक में ही सभा हुई जिसमें कांग्रेस के वरिष्ठ कार्यकर्ता आशीष वर्मा, अश्वनी सही, जयश्री वर्मा, युगल किशोर आदिल, बिष्णु चंद्राकर, सुरेंद्र बंछोर सहित अन्य कार्यकर्ताओं ने सभा को संबोधित किया। हुई उसके बाद से 12 बजे मुख्य सड़क पर जाकर बरसते पानी में बैठ गए और करीब 2 बजे तक सड़क पर ही जमकर बैठे रहे। इस

दौरान कांग्रेसियों ने अदानी के खिलाफ जमकर भी नारे लगाए। इसके अलावा सीबीआई ,ईडी के खिलाफ भी कांग्रेसियों ने नारेबाजी किया। इधर आसमान से बारिश बरस रहे थे उधार छत्तीसगढ़ सरकार के खिलाफ बरस कांग्रेसी बरस रहे थे। वही एहतियात के तौर पर पुलिस बल भी बड़ी संख्या में चक्का जाम स्थल पर मौजूद रहे ताकि किसी भी प्रकार की घटना न हो। एक तरफ कांग्रेस की तरफ से पूर्व ओ एस डी आशीष वर्मा, जिला पंचायत के पूर्व उपाअध्यक्ष अशोक साहू, जिला पंचायत सदस्य देवेंद्र चंद्रवंशी, ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष महेंद्र वर्मा, राजेश ठाकुर, रूपेंद्र शुक्ला ,जवाहर वर्मा, जय श्री वर्मा,सहित अन्य वरिष्ठ नेताओं ने सड़क पर बैठकर नारे लगा रहे थे। वहीं शासन प्रशासन भी काफी मुस्तैद दिखे। पूरे सभा एवं चक्का जाम के दौरान एसडीएम पाटन ,एसडीओपी पाटन सहित विभिन्न थाना के प्रभारी एवं पुलिस बल बड़ी संख्या में भी मौजूद रहे। संचालन जवाहर वर्मा, बबलू मारकंडे ने तथा आभार व्यक्त आशीष वर्मा ने किया। इस दौरान आशीष वर्मा, ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष महेंद्र वर्मा, राजेश ठाकुर, जयश्री वर्मा, जवाहर वर्मा, अश्वनी साहू, अशोक साहू, सुरेंद्र बंछोर, अजय सिगौर, पालेश्वर ठाकुर, लोचन यादव, भेद प्रकाश वर्मा, विष्णु चंद्राकर, सालिक वर्मा, दिनेश साहू, पुरुषोत्तम कश्यप, देवेश चंद्राकर, रूपेंद्र शुक्ला, गोपाल देवांगन, धनंजय वर्मा, आभाष दुबे, धनंजय वर्मा,किरण चंद्राकर, संगीता ठाकुर, पुरुषोत्तम तिवारी, प्रशांत शुक्ला, सरजू साहू, नीरज सोनी, कमलेश नेताम, कुणाल वर्मा, छोटू बघेल, गालव वर्मा, लीलाधर वर्मा, अजय राजपूत, बल्लू राय, भेष आटे , देव निषाद, पवन पटेल, दिलीप बंछोर, तरुण बिजोर सहित अन्य मौजूद रहें ।

स्वामित्वधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक रोहित खड़तकर द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स ग्राम छाटा, पोस्ट देवादा, तहसील पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.), पिन-491111 से मुद्रित कर 65/1920, परशुराम नगर प्रोफेसर कालोनी, रायपुर (छ.ग.) पिन- 492001 से प्रकाशित। संपादक :- दामोदर राव, फोन नं.-0771-4218364, मो. 9303404360, ईमेल- samaydarshanraipur@gmail.com, RNI: CHHHIN/2018/76878, डाक पंजीयन /रायपुर संभाग/63/2025-27